विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

सोफा, दीवान, कुर्सी, पलंग, डाइनिंग टेबल, ड्रेसिंग टेबल सहित सभी प्रकार के फर्नीचरों के निर्माता एवं विक्रेता
शारदा विहार, रेल्वे क्रासिंग के पास, पावर हाउस रोड, कोरबा

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 89 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 29 दिसम्बर 2025 डाक 30 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

देश-विदेश
दिग्विजय सिंह के आरएसएस वाले बयान पर सियासी घमासान, थरूर और खुर्शीद का समर्थन

फीचर पेज
सर्दियों में महिलाएं शॉल को जींस और टॉप के साथ ऐसे करें स्टाइल, लगेंगी खूबसूरत

भारतमाला प्रोजेक्ट भूमि अधिग्रहण मामले में ईडी का एक्शन

छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर ताबड़तोड़ छापामारी

रायपुर- विशाखापट्टनम, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर छापामारी की है। यह कार्रवाई रायपुर से विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) तक भारतमाला परियोजना के तहत आर्थिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजधानी रायपुर और महासमुंद जिले में कम से कम नौ परिसरों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जांच का संबंध भारतमाला परियोजना के रायपुर-विशाखापट्टनम खंड में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में गड़बड़ी से जुड़ा है। भारतमाला परियोजना के तहत देश में करीब 26,000 किलोमीटर आर्थिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जो माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस प्रोजेक्ट में पहले से ही छत्तीसगढ़ में कई अनियमितताओं की जांच चल रही है, जिसमें करोड़ों रुपये के मुआवजे में घोटाले के आरोप लगे हैं। ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े प्रावधानों के तहत की गई है। जांच में शामिल लोगों के ठिकानों पर दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य सबूत तलाशे जा रहे हैं। यह मामला पहले से ही राज्य में चर्चा का विषय रहा है, जहां विपक्ष ने सीबीआई जांच की मांग की थी। ईडी की जांच आगे बढ़ने से इस घोटाले की परतें खुलने की उम्मीद है।

एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी रायपुर और महासमुंद में कम से कम नौ ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। यह पूरा मामला भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि इस ऑपरेशन के तहत हरमीत सिंह खनूजा, उनके कथित सहयोगियों, कुछ सरकारी अधिकारियों और ज़मीन मालिकों से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। भारतमाला परियोजना में लगभग 26,000 किलोमीटर के आर्थिक गलियारों के विकास की परिकल्पना की गई है, जिनसे गोल्डन क्वाड्रिलेटरल और उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारों के साथ-साथ सड़कों पर माल ढुलाई का अधिकांश ट्रैफिक होने की उम्मीद है।

मेक्सिको में बड़ा रेल हादसा, पटरी से उतरे ट्रेन के डिब्बे, 13 लोगों की मौत और 90+ घायल

मेक्सिको, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

मेक्सिको रेल हादसे में 13 लोगों की मौत और 98 लोगों के घायल होने की खबर है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखे पोस्ट में बताया कि नौसेना ने 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकारी राहत और बचाव कार्य एजेंसियों को मौके पर भेजा गया है। गवर्नर सोलोमन जारा को भी पीड़ित यात्रियों की हरसंभव मदद करने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि इस रेल सेवा की शुरुआत साल 2023 में हुई थी और सरकार इसे रणनीतिक अहमियत के नजरिए से और विकसित कर रही है।

सोशल मीडिया के साथ-साथ स्थानीय मीडिया में भी हादसे की विचलित करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। एक्सहैंडल @pastormatias02 पर जारी वीडियो और तस्वीरों में देखा जा सकता है कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल है। एक अन्य यूजर- @raulbrindis ने भी निजांडा शहर के पास हादसे का शिकार हुई ट्रेन की तस्वीरें साझा की हैं। राष्ट्रपति शिनबाम के निर्देश पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। ओक्साका के गवर्नर सोलोमन जारा ने बताया कि रेल हादसे का शिकार हुए 60 से अधिक यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गवर्नर सोलोमन ने एक्स हैंडल पर जारी बयान में लिखा, 11 लोगों का इलाज स्यूदाद इक्स्टेपेक के जनरल हॉस्पिटल में कराया जा रहा है। 22 घायलों को जुचिटान के जनरल हॉस्पिटल भेजा गया है, जबकि 29 घायल यात्रियों को माटियास रोमेरो के IMSS ज़ोन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को तेहुआंतेपेक के जनरल हॉस्पिटल में भेजा गया। पांच अन्य घायलों को सलीना क्रुज जनरल हॉस्पिटल रेफर किया गया है। दुर्घटना के तत्काल बाद गवर्नर ने बयान जारी किया। निजांडा के पास हुई रेल दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए उन्होंने बताया कि हादसे के समय ट्रेन में 250 लोग सवार थे। 139 यात्री सुरक्षित हैं। जान गंवाने वाले 13 मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए गवर्नर ने कहा, सरकार हरसंभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा, नौसेना सचिवालय से मिली सूचना के मुताबिक अंतरमहासागरीय रेल दुर्घटना में 13 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हुई है। उन्होंने कहा, नौसेना सचिव और गृह मंत्रालय के उप सचिव को घटनास्थल पर जाकर मृतकों के परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का निर्देश दिया गया है। जो रेल हादसे का शिकार हुई है, इसका संचालन प्रशांत महासागर और मेक्सिको की खाड़ी के बीच किया जाता है। साल 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति ओब्राडोर ने इस रेल सेवा की शुरुआत की थी। सरकार के मुताबिक यह रेल सेवा दक्षिणी मेक्सिको में रेल यात्रा को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई। प्रशांत महासागर और मेक्सिको की खाड़ी के बीच स्थित संकरे भूभाग पर रेलवे ट्रैक बिछाए गए। सरकार तेहुआंटेपेक में बुनियादी ढांचे का विकास करने की दिशा में सरकार व्यापक प्रयास कर रही है।

गौरतलब है कि जिस रेल मार्ग पर हादसा हुआ है, यह मेक्सिको की सरकार के लिए बेहद अहम है। अमेरिका के साथ तनातनी के बीच इस उत्तरी अमेरिकी देश की सरकार पानी से घिरे भूभाग को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक रणनीतिक गलियारे में बदलने का प्रयास कर रही है। फिलहाल जिस पटरी पर हादसा हुआ है, इस पर ट्रेन का संचालन सलीना क्रुज बंदरगाह से कोएट्ज़ाकोल्कोस के बीच होता है, जिसकी लंबाई 290 किलोमीटर है।

टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो कोच में लगी आग

एक की मौत, फोरेंसिक टीमें जांच में जुटीं

विशाखापत्तनम, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

आंध्र प्रदेश के येलामांचिली इलाके में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के दो कोच में आग लग गई। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई। आग लगने की वजह अभी पता नहीं है और इसकी फोरेंसिक जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि जिन दो कोच में आग लगी, उनमें से एक में 82 तो दूसरे में 76 यात्री सवार थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें ट्रेन में आग लगने की सूचना देर रात 12.45 बजे मिली। हादसे के बाद आग की चपेट में आए बी-1 कोच में एक शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में हुई है। हादसे के बाद आग से प्रभावित दोनों कोचों को ट्रेन से अलग कर दिया गया और ट्रेन को उसके गंतव्य एर्नाकुलम की तरफ रवाना कर दिया गया। वहीं हादसाग्रस्त दोनों कोचों के यात्रियों को भी जल्द उनके गंतव्य की तरफ रवाना किया जाएगा। दो फोरेंसिक टीमें आग की वजह का पता लगाने में जुटी हैं। बी-1 और एम-2 डिब्बों में आग लगी।

आग जिस समय लगी, उस समय सभी यात्री आराम से सो रहे थे। लोको पायलट को जैसे ही ट्रेन में आग लगने का पता चला, वैसे ही लोको पायलट ने तुरंत ही ट्रेन को रोक दिया। दमकल कर्मियों को तुरंत सूचना दी गई। दमकलकर्मियों के पहुंचने तक दोनों डिब्बे पूरी तरह से जल चुके थे और पूरा स्टेशन धुएं से ढक गया। हादसे में एक यात्री की मौत के अलावा कुछ अन्य यात्री मामूली रूप से घायल भी हुए हैं। हालांकि यात्रियों का सारा सामान जलकर राख हो गया। हादसे के चलते विशाखापत्तनम विजयवाड़ा रूट पर चलने वाली सभी ट्रेनें फिलहाल रद्द कर दी गई हैं।

एयरपोर्ट पर गिरे थलापति विजय, बेकाबू फैंस के बीच एक्टर को इस हाल में पहुंचाया गया घर

नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार थलापति विजय की फैन-फॉलोइंग इतनी तगड़ी है कि जहां भी अभिनेता स्पॉट होते हैं, वहां फैंस की भीड़ लग जाती है। थलापति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इस बीच अभिनेता के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसने इंटरनेट पर हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, थलापति विजय बीती शाम को एयरपोर्ट पर गिर गए। चेन्नई एयरपोर्ट से उनका वीडियो सामने आया है जिसमें अभिनेता को बड़ी मशक्कत के साथ गाड़ी तक पहुंचाया गया। हुआ यूं कि थलापति विजय अपनी आखिरी फिल्म जन नायकन के ऑडियो लॉन्च के लिए मलेशिया गए हुए थे।

बीते दिन मलेशिया में फिल्म का ऑडियो लॉन्च इवेंट हुआ, जहां उन्होंने कन्फर्म किया कि इस फिल्म के बाद वह एक्टिंग से किनारा कर रहे हैं। 28 दिसंबर की शाम को थलापति विजय मलेशिया से चेन्नई लौटे। जैसे ही एक्टर एयरपोर्ट पर आए, फैंस की भीड़ उनके इंतजार में खड़ी थी और एक्टर को देखते ही बेकाबू हो गई। पीटीआई के एक्स हैंडल पर जारी वीडियो के मुताबिक, थलापति विजय को गार्ड भीड़ से बचाते हुए गाड़ी के पास ले जा रही थी। गाड़ी के करीब पहुंचते ही एक्टर गिर गए।

दिग्विजय सिंह के बयान पर कांग्रेस में घमासान, सीएम रेवंत रेड्डी ने सोनिया गांधी का नाम लेकर किया पलटवार

नईदिल्ली 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर पार्टी के भीतर ही सियासी संग्राम छिड़ गया है। दिग्विजय सिंह ने RSS और BJP का उदाहरण देते हुए कांग्रेस के संगठन में सुधार की आवाज उठाई, जिसपर कांग्रेस के कई नेताओं ने ही आपत्ति जताई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी अब इस बहस का हिस्सा बन गए हैं। रेवंत रेड्डी ने नाम लिए बिना ही दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1991 में पीवी नरसिम्हा राव और 2004, 2009 में डॉ मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर बहुत अच्छा फैसला लिया था। रेवंत रेड्डी के इस बयान को दिग्विजय सिंह की पोस्ट से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि RSS-BJP में आम कार्यकर्ताओं को भी उच्च पद तक पहुंचने का मौका मिलता है। रेवंत रेड्डी के अनुसार, अगर हम सोनिया गांधी के नेतृत्व पर नजर डालें तो हमें पता चलेगा कि तेलंगाना के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले पीवी नरसिम्हा राव को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला था।

सोनिया गांधी ने मशहूर अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह को भी प्रधानमंत्री बनाया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अगवाई करने से लेकर संविधान की रचना करने तक, लोकतांत्रिक संस्था बनाने से लेकर विविधता से परिपूर्ण राष्ट्र के निर्माण तक, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आधुनिक भारत के हर पन्ने को आकार दिया है। दिग्विजय सिंह ने लाल कृष्ण आडवाणी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर साझा की थी। फोटो के साथ उन्होंने लिखा था कि आरएसएस और जनसंघ में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनने का मौका मिलता है। दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भी टैग किया था।

रेप केस: सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका

नई दिल्ली। पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि जमानत मिलने के बाद भी सेंगर जेल से बाहर नहीं आ सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में यह दलील भी कि पीड़िता की उम्र 16 वर्ष से कम थी। इस मामले में अपील लंबित है। सीबीआई के वकील ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने अभियुक्त को निर्विवाद रूप से आईपीसी की धारा 376 के तहत दोषी ठहराया। धारा 376 91) में न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। तुषार मेहता ने कहा कि धारा 376(2) के तहत न्यूनतम सजा 20 वर्ष है और अधिकतम सजा अभियुक्त के जैविक जीवन के अंत तक कारावास है। पीड़िता की उम्र 16 वर्ष से कम थी, इसलिए यह मामला गंभीर सजा के अंतर्गत आएगा। उन्नाव रेप केस में सजायाफ्ता पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को राहत देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सजा निलंबित कर दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत भी दे दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई की याचिका पर आज सुनवाई हुई। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट से सेंगर की सजा बरकरार रखने की अपील की।

हवा में टकराए दो हेलीकॉप्टर हादसे में एक पायलट की मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के न्यू जर्सी में एक हवाई हादसे की खबर सामने आई है। यहां पर दो हेलीकॉप्टर हवा में ही टकरा गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। इस घटना को लेकर हैमोंटन पुलिस प्रमुख केविन फील ने बताया कि बचाव दल सुबह करीब 11.25 बजे एक विमान दुर्घटना की रिपोर्ट मिलने पर मौके पर पहुंचे। इस घटनास्थल का वीडियो भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक हेलीकॉप्टर तेजी से जमीन की ओर घूमता हुआ दिख रहा है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, हैमोंटन म्युनिसिपल एयरपोर्ट के ऊपर एक एनस्ट्रॉम एफ-28ए हेलीकॉप्टर और एनस्ट्रॉम 280सी हेलीकॉप्टर के बीच ये टक्कर हुई है। दोनों एयरक्राफ्ट में केवल पायलट ही सवार थे।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

नए साल से पहले यूपी के मंदिरों में भक्तों का सैलाब, काशी में स्पर्श दर्शन पर रोक, वृंदावन में वाहनों की एंट्री बंद

लखनऊ। शीतलहर के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ ने धार्मिक उत्सव का माहौल बना दिया है। वर्ष के अंतिम दिनों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। लोग नए साल की शुरुआत ईश्वर के आशीर्वाद के साथ करना चाह रहे हैं। यही कारण है कि धार्मिक स्थलों पर लगातार भीड़ बढ़ रही है। काशी विश्वनाथ मंदिर, राम जन्मभूमि और मथुरा-वृंदावन में भारी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। काशी में तीन जनवरी तक स्पर्श दर्शन बंद, वृंदावन में दो जनवरी तक बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक-भीड़ का आकलन कर ही दर्शन को आएं श्रद्धालु, दिव्यांग, बीमार, बच्चों, गर्भवती को लाने से बचें। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ ने धार्मिक उत्सव का माहौल बना दिया है। वर्ष के अंतिम दिनों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। साथ ही लोग नए साल की शुरुआत ईश्वर के आशीर्वाद के साथ करना चाह रहे हैं। यही कारण है कि धार्मिक स्थलों पर लगातार भीड़ बढ़ रही है। काशी विश्वनाथ मंदिर, राम जन्मभूमि और मथुरा-वृंदावन में भारी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कड़ाके की ठंड के बीच नववर्ष के पूर्व आगरा-मथुरा में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से 29 दिसंबर से पांच जनवरी तक वृंदावन आने से परहेज करने की अपील की। कीमती वस्तु पहनकर न आएं और न ही अपने साथ किसी तरह का बैग आदि लेकर मंदिर तक पहुंचें। कहा मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव बनेगा। ऐसे में जो भी श्रद्धालु दर्शन को आ रहे हैं भीड़ का आकलन कर ही वृंदावन आएं। वृंदावन में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर दो जनवरी तक रोक लगा रखी है। बरसाना में यह रोक पांच जनवरी तक है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के जनज्वार को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने आगामी तीन जनवरी तक के लिए बाबा के स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी है। भक्तों को केवल झांकी दर्शन ही कराया जा रहा है। परिसर में भारी भीड़ प्रबंधन के लिए महाकुंभ व सावन जैसे उपाय किए गए हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि तीन जनवरी के बाद भीड़ की समीक्षा करने के पश्चात स्पर्श दर्शन के संबंध में निर्णय लिए जाएगा। मंदिर विशिष्ट क्षेत्र के उपजिलाधिकारी शंभूशरण ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि भारी भीड़ व ठंड मौसम को देखते हुए वृद्धजन, बीमार एवं बच्चे दर्शन-यात्रा से परहेज करें तो अच्छा है। नववर्ष पर मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के चरण स्पर्श पर रोक रहेगी। ठंड से किसी प्रकार की समस्या होने पर वृद्धजनों के समुचित इलाज के लिए चिकित्सा टीम तैनात की गई है। अयोध्या में कोई गाइडलाइन तो नहीं जारी हुई है, लेकिन भीषण ठंड के बाद भी भीड़ लगातार बढ़ रही है।

भुलसीडीह में आयोजित रा.से.यो के 7 दिवसीय विशेष शिविर का हुआ संपन्न

कोरबा । अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर से संबद्ध इकाई क्रमांक 170 शा.उ.मा.वि. रामपुर कोरबा के स्वयंसेवकों का 7 दिवासीय विशेष शिविर शा. प्राथमिक शाला दर्रापारा ग्राम पंचायत भुलसीडीह में 20 दिसंबर से 26 दिसंबर तक आयोजित किया गया, शिविर में सभी स्वयं सेवक शिविर दिनचर्या एवं शिविर नियमों का पालन करते हुए सक्रियता से भागीदारी की, परियोजना में जल शोरट के आस-पास सफाई, विद्यालय परिसर की सफाई, सोख्ता निर्माण, बाउंड्री वाल दीवार की पुताई, नारा लेखन, विद्यालय परिसर के पेड़ों पर चबूतरा निर्माण आदि शामिल हैं। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिसमें डाकघर से सेवकों की जानकारी दी गई। बौद्धिक कार्यक्रम में रामस्वरूप विश्वकर्मा, डॉ. चंद्रशेखर श्रीवास, मुख्य डाकघर कोरबा से डॉ. प्यारेलाल आदिले, प्राचार्य जय बूढ़ा देव कॉलेज महा. वि. कटघोरा, मनोज गुप्ता सरगबूंदिया, श्रीमती अरुणा नायडू कैरियर काउंसलर एवं ध्यान योग हेतु, नशा मुक्ति संबंधी व्याख्यान कन्हैया चौहान दिया ग्रुप कोरबा द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गीतों पर नृत्य, गीत देश भक्ति गीतो पर नृत्य, नाटक अंधविश्वास, नशामुक्ति, शिक्षा पर्यावरण प्रदूषण पर एवं छत्तीसगढ़ के वीरो की जीवन पर आधारित नाटक का प्रस्तुति ग्राम के सरपंच इंजोर सिंह कंवर उप. सरपंच भगवत प्रसाद कंवर पंच सुरेश गिरी एवं दुखीराम कंवर ग्राम वासियों का सहयोग मिला।

सीनियर स्वयंसेवकों रोहित चंद्रा इंद्रजीत कश्यप, सहयोगी स्टाफ मानकुंवर जाटवर सहित स्वयंसेवक वैभव कश्यप, आयुष देवांगन, स्वीटी मिरी, अंजली कुर्रे, रुचि विश्वकर्मा, रागनी कुर्रे, मोनिका सोनवानी, दुर्गेश, दीपक आदि हैं। संचालन प्राचार्य श्रीमती माधुरी अग्रवाल के निर्देशानुसार कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति गणेशी सोनकर ने किया।

नवोदय विद्यालय कोरबा में भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन

कोरबा। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, कोरबा में 28 दिसंबर को भूतपूर्व छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मेलन अत्यंत उत्साह, गरिमा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों से आए 120 से अधिक भूतपूर्व छात्र-छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे पूरा परिसर स्मृतियों, अनुभवों और आत्मीय मिलन से जीवंत हो उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र आशुतोष पाण्डेय, आई.ए.एस. (कमिश्नर, नगर निगम कोरबा) रहे। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने अपने शासकीय एवं प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए कहा कि पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय एक विशिष्ट आवासीय संस्था है, जिसकी शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ इसे अन्य विद्यालयों से पूर्णतः अलग और अद्वितीय बनाता है। उन्होंने विद्यालय में बिताए अपने प्रथम दिनों, अकादमिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सदन गतिविधियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार नवोदय विद्यालय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के मानसिक, शैक्षिक एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है.इस अवसर पर वर्तमान छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया और समारोह को और भी स्मरणीय बना दिया। सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि आशुतोष पाण्डेय, आई.ए.एस. द्वारा संतोष कुमार चौरसिया, पीजीटी (रसायन विज्ञान) राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त को एलुमनी की ओर से श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर सम्मानित किया गया, जो विद्यालय के लिए गौरव का विषय रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पी.आर. शंकरी ने की। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी भूतपूर्व छात्रों को बधाई दी तथा पधारे हुए पूर्व शिक्षकों अदीप मिश्र, एम.के. मिश्रा, महाबली पोर्टे एवं दिलहरन घृतलहरे का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

कार्यक्रम के समापन पर एलुमनी प्रभारी शेर अफगान ने सभी अतिथियों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में लोकचंद सोनटके, रामावतार, सुश्री अनामिका, सत्येंद्र सिंह, विक्रांत आक्रे सहित समस्त कर्मचारीगण का सराहनीय योगदान रहा। कुल मिलाकर यह भूतपूर्व छात्र सम्मेलन न केवल स्मृतियों का संगम रहा, बल्कि नवोदय परंपरा, मूल्यों और उपलब्धियों को सशक्त रूप से पुनः स्थापित करने वाला एक प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ।

एसईसीएल-दीपका क्षेत्र में अवैध निर्माण व परिवहन पर बड़ी कार्यवाही-30 हजार ईंटें जब्त

कोरबा। एसईसीएल-दीपका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अधिग्रहित एवं प्रस्तावित अधिग्रहण भूमि पर अवैध कब्जों, निर्माण और अवैध व्यवसायिक गतिविधियों को रोकने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। धारा 9 (अधिग्रहण प्रक्रिया) के प्रकाशन के बाद क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण कार्यों और अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाने हेतु प्रशासन द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

इसी क्रम में 27 दिसंबर को प्रशासनिक टीम ने हरदीबाजार क्षेत्र में दबिश देकर अवैध ईंट भट्टे पर कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि धारा 9 लागू होने के बावजूद बड़े पैमाने पर ईंटों का निर्माण किया जा रहा था। मौके से प्रशासन ने करीब 30 हजार नग अवैध ईंटें जब्त की हैं। अधिकारियों ने बताया कि एसईसीएल-दीपका क्षेत्र के लिए धारा 9 का विधिवत प्रकाशन हो चुका है, जिसके बाद संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार का नया निर्माण या व्यवसायिक गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित हो जाती है। इसके बावजूद कुछ भू-माफिया और स्थानीय लोग मुआवजे के लालच अथवा अवैध लाभ के उद्देश्य से अवैध ईंट भट्टों का संचालन कर रहे हैं। साथ ही नदी-नालों से अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन कर निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई सरकारी एवं अधिग्रहित भूमि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की जा रही है। इससे पूर्व भी हरदीबाजार एवं सुआभोड़ी क्षेत्र में 18 ईंट भट्टों पर छापा मारकर लगभग 9 लाख ईंटें जब्त की जा चुकी हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध ईंट निर्माण और रेत के उत्खनन व परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले वाहनों जैसे जेसीबी और ट्रैक्टर को राजसात करने की कार्रवाई भी तेज की जाएगी। अधिकारियों ने दो टूक कहा है कि धारा 9 के प्रकाशन के बाद किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण कानूनी अपराध है और अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

कौशल्या यात्रा में उमड़ा मातृशक्ति का सैलाब

कोरबा । कोरबा जिले में चल रही तीन अरब 33 करोड़ 33 लाख राम लेखन महायज्ञ की श्रृंखला के अंतर्गत कोरबा अंचल घंटाघर चौक से दशहरा मैदान आरपी नगर तक मातृशक्ति की विशाल एवं भव्य कौशल्या यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान सुभाष चौक पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल मातृशक्ति का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी ने यात्रा में सहभागिता करते हुए सनातन संस्कृति और राम काज के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

कोसाबाड़ी जोन के 09 वार्डो में 05 करोड़ 23 लाख रू. के विकास कार्यो की सौगात

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 19, 20, 22, 23, 24, 25, 35, 36 एवं 37 को आज 05 करोड़ 23 लाख रूपये के 22 नए विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। आर्य शिशु मंदिर बुधवारी व सतनाम नगर रिसदी में आयोजित पृथक-पृथक भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में इन विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पूर्व सभापति व वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदों व जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 19 अंतर्गत प्राथ. शाला मानस नगर में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, सुलभ शौचालय निहारिका, सुभाष चौक के बगल में 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 20 अंतर्गत सामुदायिक भवन में 04 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 22 अंतर्गत 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण एवं निर्माण कार्य (आरामशीन शिव मंदिर के पास), वार्ड क्र. 23 अंतर्गत गांधी चौक से बजरंग चौक तक एवं गढ़कलेवा से आर्य शिशु मंदिर तक 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 24 निहारिका पानी टंकी से वीर सावरकर होते हुए गरिमा मेडिकल तक 40 लाख रूपये की लागत से आर.सी. सी. नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 24 दशहरा मैदान सामुदायिक भवन के पास 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण व अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 25 अंतर्गत एल.आई.जी 1 से 30, एल. आई.जी 57 से 82, एल.आई.जी 101 से 150 में 40 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण कार्य , वार्ड क्रमांक 35 अंतर्गत शंकर नगर औद्योगिक क्षेत्र सरोज पटेल के घर से विपिन शर्मा के घर तक 05 लाख रूपये की लागत से सी.सी रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 35 अंतर्गत 15 लाख रूपये की लागत से किचन शेड स्टोर रूम सहित मंच एवं हॉल निर्माण कार्य (आदिवासी उरावं सरना समाज सर्वाजनिक उपयोग हेतु झगरहा डिहीपारा कोरकोमा रोड), वार्ड क्र. 35 न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी खरमोरा गेट से मेन रोड तक 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 35 अंतर्गत मेन रोड स्थित 09 लाख 82 हजार रूपये की लागत से सामुदायिक भवन जीर्णोद्धार एवं अन्य विकस कार्य, वार्ड क्र. 35 खरमोरा अंतर्गत प्रायमरी स्कूल के सामने स्थित 09 लाख 65 हजार रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं अन्य विकास कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत मेमन शॉप से रेलवे घाट तक 100 बेड हॉस्पिटल के सामने 01 करोड़ 93 लाख 92 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत सतनाम नगर स्थित 14 लाख 74 हजार रूपये की लागत से शासकीय प्राथमिक शाला भवन एवं आहता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत शास.मा.शा. पी.डब्ल्यू.डी. रामपुर में 16 लाख 59 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत 100 बेड हॉस्टिपल के कैम्पस में 39 लाख 60 हजार रूपये की लागत से वेटिंग हॉल का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर ओम फ्लेट के पास मुख्य मार्ग से सुमन घर होते हुए रम्भा पटेल घर तक 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 अंतर्गत प्राथ. शाला सतनाम नगर रिसदी में 13 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 37 अंतर्गत सिंचाई कॉलोनी आई.टी.आई. रामपुर में पुराना आंगनबाडी के पास 05 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्रं 37 अंतर्गत शास.प्राथ.शाला पीडब्ल्यूडी रामपुर में 15 लाख 53 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 37 रामपुर बजरंगबली मंदिर के पास स्थित 15 लाख रूपये की लागत से तालाब का उन्नयन कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से दिए गए अपने उद्बोधन में कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में एक बार फिर हमारा छत्तीसगढ़ राज्य विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो चला है, इसके पूर्व डॉ. रमन सिंह जब 15 वर्ष तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे, तो उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ़ का सर्वांगीण विकास हुआ, दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई तथा उन्होने छत्तीसगढ़ को देश के अन्य बड़े प्रदेशों के समकक्ष लाकर खड़ा किया, अब पुनः उन बंद पड़ी योजनाओं को हमारी सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया है, विकास के सभी क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहे हैं, नए-नए उद्योग, धंधों के कारण रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं तथा गांव, किसान, मजदूर, महिला, युवा सभी के हित में योजनाएं चलाई जा रही हैं। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि हमारी सरकार केवल वायदा नहीं करती, बल्कि वायदों को समयसीमा पर पूरा भी करती है। उन्होने कहा कि जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है, तो विगत 02 वर्षो के दौरान लगभग 800 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत कराए गए हैं तथा सभी 67 वार्डो में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कोरबा के विकास के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं है, हम सबका सौभाग्य है कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव व उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से नगर निगम कोरबा को विकास कार्यो हेतु लगातार फंड प्राप्त हो रहा है उन्होने कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं मुझ पर अपना जो भरोसा व्यक्त किया है, उस भरोसे को कायम रखा जाएगा, यह मैं विश्वास दिलाती हूँ। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर एवं पूर्व सभापति व वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही एम.आई.सी. सदस्य अजयकुमार गोंड़, ममता यादव, पंकज देवांगन, प्रताप सिंह कंवर, मुकुंद सिंह कंवर, राकेश वर्मा, भाजपा कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, स्वाती कश्यप, प्रीति चौहान, श्रीधर द्विवेदी, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, दीपक यादव, मनोज राजपूत, अनिल यादव, पुनीराम साहू, निगम के जोन कमिश्नर भूषण उरांव, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, उप अभियंता अंजुला अनंत, सुरेन्द्र राजवाड़े, गायत्री राठौर, मोनू आदिले, श्याम साहू, मीरा साहू, सत्यवती तिवारी, निर्मला चक्रधारी आदि के साथ काफी संख्या में आमनागरिकगण उपस्थित थे।

यूथ हॉस्टल की टीम ने ओडिसा की यात्रा में जाने अहम तथ्य

कोरबा। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया कोरबा इकाई छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 24 दिसंबर से 27 दिसंबर तक 4 दिन की पुरी धाम की धार्मिक सह शैक्षणिक यात्रा आयोजित की गई। कोरबा, कवर्धा, बिलासपुर, रायपुर के सदस्य इसमें शामिल हुए। डीएसपीएम कोरबा के मुख्य अभियंता संजीव कंसल ने पूजा अर्चना व झंडी दिखाकर सदस्यों को रवाना किया।इससे पूर्व तकनीकी आयाम जोड़ने कवर्धा इकाई के साथ सदस्यों ने डीएसपीएम का भ्रमण एके तोमर के नेतृत्व में किया। समय नियोजन के लिये वाहन में कॉर्डलेस माइक्रोफोन, चार्जिंग सुविधा एवं स्पीकर सिस्टम* की व्यवस्था की गई, जिससे परिचय सत्र, प्रमाण-पत्र वितरण, गायन, अंताक्षरी तथा सदस्यता कार्ड वितरण जैसी गतिविधियाँ सुचारु रूप से हुई। शेड्यूल के तहत 5 इकाई के भिन्न आयु वर्ग के 43 सदस्यों ने श्री जगन्नाथ मंदिर , सूर्य मंदिर, साक्षी गोपाल मंदिर, लिंगराज मंदिर, में दर्शन पूजन के साथ धौली शांति स्तूप तथा नंदनकानन प्राणी उद्यान का भी भ्रमण किया गया। नंदनकानन प्राणी उद्यान, समुद्र तट , ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर यहां के इतिहास, संरचना, शिल्प, मान्यता व रहस्यों को जाना। यह कार्यक्रम राज्य चेयरमैन संदीप सेठ के नेतृत्व में सफलतापूर्वक हुई। पी. एल. मिरेंद्र, श्रीमती शिव कुमारी, श्रीमती कल्पना, त्रिभुवन, राहुल गुप्ता सुभाष पांडा एवं डॉ. निशांत का महत्वपूर्ण सहयोग एवं समन्वय रहा। आकृति, संकल्प, रवि, डॉ. श्रुति, मयंक सहित अन्य सदस्यों ने बस के भीतर विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का संचालन कर यात्रा को यादगार बनाया।

ओडिसा इकाई ने किया स्वागत

यात्रा के दौरान युथ हॉस्टल की ओडिशा राज्य शाखा के श्री डेव के नेतृत्व में सुश्री मनस्विनी, पटनायक जी एवं अन्य सदस्यों के सहयोग से हमारी टीम का स्नेहपूर्ण एवं आत्मीय स्वागत किया गया। ओडिशा टीम द्वारा पारंपरिक ओड़िया व्यंजन की व्यवस्था की गई। सभी को स्मृति-चिह्न भेंट कर किये गए।

पीएम के मन की बात सुनी भाजपा कार्यकर्ताओं ने

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 129वें मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण भाजपा मंडल दीपका के कार्यकर्ताओं द्वारा वार्ड क्रमांक 05 में किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी विचारों को सुना और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा दीपका मंडल अध्यक्ष राजू प्रजापति,भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मनोज दुबे ,भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद सुजीत सिंह,गौकरण कंवर शंकर यादव, राहुल यादव, जितेंद्र कुमार, बूंद राम प्रजापति पूजा प्रजापति, संतोष प्रजापति, मोगरा बाई ,कामेश यादव, सूरज रजक, देवेंद्र कुमार, गौतम कुमार,बूथ कमेटी के सदस्य गण उपस्थित रहे

अटल आवास एमपी नगर में अखंड नवधा रामायण 20 जनवरी से

कोरबा । कोरबा अंचल निहारिका क्षेत्र स्थित अटल आवास एमपी नगर में 20 जनवरी से 10 दिनों तक भगवान श्रीराम की भक्ति की बयार बहेगी। कलश यात्रा, वेदी पूजन व ग्रंथ स्थापन के साथ अखंड नवधा रामायण का शुभारंभ होगा। आचार्य प्रेम शंकर पांडेय पूजन संपन्न कराएंगे। लगातार तीसरे वर्ष आयोजित नवधा रामायण में नगर सहित अन्य जिलों से मानस मंडली भगवान श्रीराम की संगीतमय कथा का रसपान कराएंगे।

हिंदू राष्ट्र के लिए संजीवनी बनेगा राम नाम लेखन महायज्ञः माधवी लता

कोरबा। दशहरा मैदान डॉ. राजेंद्र नगर कोरबा में आयोजित दुर्गा शक्ति सभा को संबोधित करते हुए दक्षिण भारत की प्रसिद्ध भाजपा नेत्री और अपोलो अस्पताल की संस्थापक माधवी लता ने कहा कि राम नाम लेखन महायज्ञ से जो चिंगारी कोरबा में शुरू हुई है वह भविष्य में हिंदू राष्ट्र के लिए निर्णायक साबित होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कोरबा जिले में तीन अरब 33 करोड़ 33 लाख राम नाम लेखन महायज्ञ के अंतर्गत कौशल्या महाकुंभ में माधवी लता पहुंची थी। कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से एकत्रित राम नाम लेखन पुस्तिकाओं को ओपन थिएटर से महिलाओं ने अपने सिर पर धारण किया और राजेंद्र नगर दशहरा मैदान पहुंची। यहां पर पुस्तिका पूजन के साथ लोगों ने श्री राम का गुणगान किया। मुख्य अतिथि के तौर पर माधवी लता ने भगवान श्री राम की महिमा का सुंदर ढंग से चित्रण किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के प्रति छत्तीसगढ़ के लोगों में असीम श्रद्धा है। राम नाम लेखन महायज्ञ में लोगों की बहुत बड़ी भागीदारी और उनका समर्पण इसका उदाहरण है। उन्होंने अपने संबोधन के साथ संस्कृत के श्लोक से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया। उनका कहना था कि राम के गुणगान से कहीं ज्यादा शक्ति उनके दो अक्षर के नाम में है और कोरबा जिले के लोगों ने सहज संकल्प के साथ 3 अरब 33 करोड़ से ज्यादा राम नाम लेखन कर जो पुण्य अर्जित किया है यह अपने आप में एक इतिहास तो बनेगा ही, लोगों का जीवन भी इससे कृतार्थ होगा। कार्यक्रम के मंच पर स्वामी भजनानंद सेवा आश्रम केंदई की साध्वी गिरिजेश नंदिनी, राम जानकी मंदिर के महाराज कन्हैयादास महाराज, ब्रह्माकुमारी संस्था की रुक्मणी, गायत्री परिवार से अर्चना मिश्रा, सतनामी कल्याण समिति के संरक्षक श्रीमती रामबाई लहरे, रामनामी समाज के प्रतिनिधि, भवानी मंदिर की ज्योति पाण्डेय, सिक्ख समाज की श्रीमती मनिंदर कौर, राम नाम लेखन महायज्ञ समिति के कोरबा जिला अध्यक्ष राम सिंह अग्रवाल उपस्थित थे।

अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी बनी हादसों का कारण

कोरबा। युवा अधिवक्ता धनेश सिंह ने कहा है कि शहर की व्यावसायिक दुकानों एवं कॉम्प्लेक्सों में लगातार अग्नि सुरक्षा नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका गंभीर परिणाम आज सुबह लगभग 06.00 बजे मिला। एस.एस. प्लाजा, कोरबा स्थित एक दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की दमकल टीम को मौके पर बुलाया गया, जिनकी तत्परता से आग पर काबू पाया जा सका। सौभाग्यवश किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, किंतु भारी आर्थिक क्षति की आशंका बनी रही। उल्लेखनीय है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व भी शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगने की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। इसके बावजूद अधिकांश दुकानों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता, आपातकालीन निकास मार्गों का अभाव, अव्यवस्थित विद्युत वायरिंग एवं ज्वलनशील सामग्री का अनुचित भंडारण धड़ल्ले से किया जा रहा है। प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाने के बावजूद इन नियमों का पालन नहीं किया जाना अत्यंत चिंताजनक है। यदि समय रहते सख्त निरीक्षण एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में कोई बड़ी एवं अपूरणीय दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता।

अतः संबंधित प्रशासन, नगर निगम एवं अग्निशमन विभाग से यह मांग की जाती है कि शहर के समस्त व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की तत्काल जांच कर अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कांग्रेस ने मनाया पार्टी का 141 वां स्थापना दिवस

कोरबा। जिला कांग्रेस कार्यालय कोरबा में कांग्रेस पार्टी के 140 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 141वां स?थापना दिवस मनाया गया । राष्ट्रगीत से प्रारंभ किया गया । स्थापना दिवस की खुशियां मनाते हुए कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हमेशा भारत के लोगों की भलाई और प्रगति के लिए काम किया है । हम भारत के सविंधान में निहित राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों में सुनिश्चित अवसर की समानता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं । श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हर स्थिति में सत्य, अहिंसा और संघर्ष के मार्ग को चुना और हमेशा जनता के हित में काम किया । सुरक्षित स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से सुदृढ़ भारत के लिए नेहरू जी ने सिंचाई परियोजनाओं, बड़े - बड़े कल कारखानों की नींव रखी मुलभूत आवश्यक कार्य बिजली, पानी, सड़क, स्कूल - कॉलेज, चिकित्सालय आदि के साथ - साथ आई आई एम, आई आई टी जैसे संस्थानों, बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान, संस्थान की स्थापना की । नेहरू जी के बाद शास्त्री जी ने देश की सुरक्षा को लक्ष्य रखा। जय जवान, जय किसान का नारा देकर किसानों का हौसला बढ़ाया जिससे किसानों ने अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, इंदिरा जी ने हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम, बैंको का राष्ट्रीयकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये, वहीं राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए सूचना प्रोद्योगिकी और कम्प्युटर क्रांति लाया, मतदान की उम्र 18 वर्ष किया। पंचायत, नगर निगम का गठन कर गांव, शहरों में ही फैसला लेने का अधिकार दिया । नरसिम्हा राव ने आर्थिक उदारीकरण को अपनाकर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूत बनाया । मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सूचना के अधिकार, भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, भू अधिग्रहण कानून लाकर भारत के लोगों के जीवन स्तर को सुधारने का काम हुआ । जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस ने सच्चाई और अहिंसा को अपना मार्ग निर्देशक सिद्धांत तय किया जिसका देश भर के लोगों ने समर्थन किया और उन्हें आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया आज भी देशवासियों के बीच राष्ट्रीय एवं एकता की भावना कायम है ।

पूर्व जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कहा कि 140 वर्ष पहले आज ही के दिन 28 दिसम्बर 1885 को मुंबई में कांग्रेस पार्टी की नींव रखी गई थी । कांग्रेस पार्टी की स्थापना से देशवासियों में आशा का संचार हुआ । कांग्रेस ने अंग्रेजी गुलाम के विरोध में आंदोलन शुरू किया जो आजादी की लड़ाई में बदल गया और भारत आजाद हुआ ।नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहु ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बने हुए आज 140 वर्ष पूरे हो गए हैं । वहीं आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी का 78 वर्षों का सफर आधुनिक भारत की कहानी कहता है इन वर्षों में भारत के हर सफल सोपान पर कांग्रेस की इबारत लिखी मिलेगी ।जिला कांग्रेस के पूर्व अध?यक्ष नत?थुलाल यादव ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी, पदाधिकारियों को चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा में प्रतिबद्ध ऐसे लोगों को आगे लाना चाहिए जो विपरीत समय में भी कांग्रेस के साथ खड़े हैं ।पूर्व सभापति श?याम सुंदर सोनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजों को मजबूर कर दिया और आजादी के बाद कांग्रेस ने कण - कण जोड़कर जोड़कर भारत का नवनिर्माण किया। महिला कांग्रेस नेता श्रीमती रेखा त्रिपाठी ने कहा कि देश को आजादी के बाद आधुनिक, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष भारत की मजबूत नींव रखने में कांग्रेस ने हरसंभव प्रयास किया ।कार्यक्रम का संचालन मुकेश राठौर ने एवं आभार व्यक्त दर्री ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी ने किया ।

कार्यक्रम के अंत में केक काटकर एवं मिठाईयां वितरण कर स्थापना दिवस बड़े ही धुमधाम के साथ मनाया गया ।कार्यक्रम में युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, कुसमुण्डा ब्लॉक अध्यक्ष बसंत चंद्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता आर के वर्मा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष गजानंद साहु, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, पार्षद नारायण कुर्रे, अनुज जायसवाल, डॉ. रामगोपाल कुर्रे, गीता गभेल, अविनाश बंजारे, रवि चंदेल, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर, पुष्पा पात्रे, आनंद पालीवाल, अल्प संख्यक प्रकोष्?ठ के जिला अध्यक्ष मो.शाहिद, पूर्व पार्षद देवीदयाल सोनी, मनीष शर्मा, डॉ.रामगोपाल यादव, संतोष लांझेकर, देव जायसवाल, पालुराम साहु, एफ डी मानिकपुरी, विनोद अग्रवाल, महेन्द्र थवाईत, गिरधारी बरेठ, रमेश वर्मा, संगीता श्रीवास, सुभद्रा सिंह, त्रिवेणी मिरी, शांता मंडावे, माधुरी ध्रुव, टिंकी महंत, लक्ष्मी महंत, रथलाल चौहान, ओम पटेल, बिजय आदिले, विजय निराला, पंचराम निराला, अमित सिंह, पवन विश्वकर्मा, होरीलाल भारिया, सी के पाण्डेय, अवधेश लाठिया, सुनील जैन, रामकुमार राठौर, श्रवण विश्वकर्मा, टेकराम श्रीवास, राजेन्द्र श्रीवास, बुद्धेश्वर चौहान, गणेश दास महंत, जवाहर निर्मलकर, द्रोपती तिवारी, मुन्ना खान, अनवर रजा, रवि टोप्पो, जीवन चौहान, प्रेमलता साहु, समसुद्दीन, रामकुमार चंद्रा, निजामुद्दीन, दीपक वस्त्रकार, भीमलाल भैना, गौतम वैष्णव, शशिराज, पी डी महंत, मो. कलीम, शांति साहु, संतोष पटेल सहित कांग्रेस संगठन के अनेकों पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे ।

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी जिले में चल रही है अनेक आरामशीन

बहुतायत संख्या में अर्जुन के पेड़ों की हो रही है कटाई एवं चिराई

सीताराम नायक

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिला वन संपदा की दृष्टि से प्रदेश में सबसे गरीब जिला है यहां जंगलों की संख्या नहीं के समान है इसके बावजूद वन विभाग का अमला पेड़ों की संरक्षण एवं सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है नतीजा यह है कि जांजगीर चांपा जिले में वनों की अवैध रूप से कटाई हो रही है। देखा जा रहा है की वन विभाग में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी माफिया को संरक्षण देने के मामले में सबसे अग्रणी है वहीं कम समय में अधिक संपत्ति अर्जित करते जा रहे हैं जिसके कारण वन माफिया पूरी तरह सक्रीय होकर मशीनों के द्वारा पेड़ों की कटाई रातों-रात कर लेते हैं। वन संपदा कम होती जा रही है और वन विभाग के जंगल लगातार कटाई से उजड़ने लगे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शासन द्वारा जांच कराए जाने की आवश्यकता है।

यहां यह बताना आवश्यक है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा वनों की सुरक्षा के लिए एक दिशा निर्देश जारी किया गया था कि वन विभाग के जंगलों से 10 किलोमीटर (हवाई मार्ग) दूरी में संचालित आरा मशीनों को पूर्ण रूप से बंद किया जाए क्योंकि इन आरा मशीनों के संचालन से पेड़ों की अवैध एवं निरंतर कटाई होते रहती है। उक्त आदेश का पालन करने के लिए वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है लेकिन इन जंगलों के पास संचालित आरा मशीनों को बंद नहीं किया वे आज भी आबाद है जिनके कारण जंगल उजड़ने लगे हैं।

अर्जुन के पड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई

इस बात को सभी जानते हैं कि अर्जुन के पेड़ को विभाग द्वारा विशेष महत्व देते हुए इसके कटाई पर शासन द्वारा रोक लगा दी गई है लेकिन अधिकतर आरा मशीनों में अर्जुन के ही पेड़ों की चिराई एवं सप्लाई विभिन्न स्थान पर हो रही है विशेष कर आरा मशीनों के माफिया द्वारा किसानों को अर्जुन के पेड़ों का अधिक उपयोग नहीं है यह बताया जाता है वहीं इसे एक जलाऊ लकड़ी के रूप में ही काम आने वाला कहकर बड़े-बड़े पेड़ों को कम दामों में खरीद कर रहे हैं और किसान भी अपने बहरा खेती एवं नदी,नालों के किनारे स्थित अपने अर्जुन के पेड़ों को अनवरत रूप से काटकर इसे आरा मशीन संचालकों को बेच रहे हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेड़ों की संख्या लगातार घट रही है तथा धरती उजाड़ होने लगी है ऐसे लोगों पर सख्ती से कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

ज्ञात हो कि जांजगीर चांपा जिले में पकरिया के पास वन विभाग का जंगल है इसी तरह छाता जंगल, इंदिरा उद्यान के अलावा बलौदा क्षेत्र में छाता, खिसोरा, पतोरा वनों का जंगल है जिसके रहने से क्षेत्र में पर्यावरण एवं वायुमंडल सुरक्षित एवं सुरक्षित रहता है। लेकिन इसे भी अब वन माफियाओं का नजर लगने लगा है। इसके 10 किलोमीटर दूरी हवाई मार्ग पर अनेक आरा मशीन संचालित हो रही हैं जो इन जंगलों के बड़े-बड़े पेड़ों को काटकर पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं। इस क्षेत्र के लोग छोटी-छोटी झाड़ियों को अहाता घेरने के लिए काट कर ले जा रहे हैं तो वहीं बड़े पेड़ों को आरा मशीनों में खपाया जा रहा है।

इसके अलावा बहुत से छोटे-छोटे स्थान है जहां वन विभाग ने वृक्षारोपण की है उसका भी भगवान मालिक ही है। जो सुरक्षा के अभाव में दम तोड़ने लगे हैं यहां पदस्थ वन अधिकारियों के पास वन संपदा बढ़ाने कोई कार्य योजना नहीं है और ना ही सुरक्षा को लेकर वे गंभीर नजर आ रहे हैं नतीजा जंगल दिनों दिन उजड़ने लगे हैं। बताया जाता है कि जांजगीर चांपा के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों मे संचालित आरा मशीने जंगलों के हवाई मार्ग में 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है किंतु विभाग अमला द्वारा इसे नजरअंदाज करते हुए संरक्षण दिया जा रहा है।

डाइट के संकाय सदस्यों ने दिल्ली में बिखेरी छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक छटा

जांजगीर-चांपा। केंद्रीय सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (सीसीआरटी) दिल्ली के प्रशिक्षण में 8 से 19 दिसंबर तक विशेष सांस्कृतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के डाइट के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ सहित कुल 6 राज्यों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ राज्य से 6 जिलों के डाइट संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान नृत्य, संगीत, अभिनय, मूर्तिकला, वास्तुकला, चित्रकला, बंधेज आर्ट, बुक बाईंडिंग, मधुबनी पेंटिंग सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण तथा प्रस्तुतियां राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा दीगई। साथ ही यह भी समझाया गया कि किस प्रकार इन लोक कलाओं को एनईपी 2020 के अनुरूप विद्यालयों पाठ्यक्रम और सह शैक्षिक गतिविधियों से जोड़कर विद्यार्थियों में रचनात्मक सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों का विकास किया जा सकता है।

कार्यक्रम में शामिल शिक्षा विदो ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ शिक्षा को आनंददायक बनाती हैं। छत्तीसगढ़ की टीम की प्रस्तुति ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया।

डाइट छत्तीसगढ़ की टीम ने विशिष्ट पहचान बनाते हुए छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य कर्मा, सुआ, पंथी और राउत नाचा का जीवंत प्रदर्शन किया। साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकगीत, वेशभूषा, खान-पान रहन-सहन, सामाजिक रीति रिवाज की भी रंगमंच पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गई। जिसे अन्य राज्य के प्रतिनिधियों ने खूब सराहा।

छत्तीसगढ़ की टीम की प्रस्तुति ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। डाइट, जांजगीर से श्रीमती प्रतिमा साहू ?द्वारा कोसा,कांसा, कंचन की नगरी के कोसा कपड़ा निर्माण को चरखा, कोकून आदि के द्वारा जीवंत प्रदर्शित किया, साथ ही डाइट जांजगीर में सेवानिवृत व्याख्याता प्रद्युम्न कुमार शर्मा एवं स्वयं के द्वारा स्थापित संग्रहालय (म्यूजियम) का राष्ट्रीय स्तर पर प्रोजेक्टर के द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया जिसके फलस्वरुप डाइट जांजगीर के म्यूजियम को देश भर के 112 कल्चरल क्लब में स्थापित करने हेतु अनुमोदित किया गया। छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा स्मृति चिन्ह के रूप में चरखा तथा कोकून (कोसा धागा) सीसीआरटी को भेंट किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से देश भर के शिक्षकों को एनईपी 2020 के अनुरूप सांस्कृतिक शिक्षा को विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने की नई दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त हुई। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों को दिल्ली दर्शन में विश्व धरोहर स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

रबी फसल बीमा कराने के लिए अब सिर्फ दो दिन शेष

जांजगीर। सकी जिले में रबी फसलों और उद्यानिकी फसलों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसानों को गेहूं, सरसों और अन्य रबी फसलों के लिए बीमा कराने का अवसर दिया जा रहा है। सकी जिले में गेहूं और सरसों फसल के लिए विशेष ग्रामों को अधिसूचित किया गया है। गेहूं के लिए विकासखंड जैजैपुर में चिखलरौंदा, झालरौंदा, भोथिया, मलनी और विकासखंड मालखरौदा में बड़े सीपत, कुरदा, चारपारा तथा विकासखंड सकी में जाजंग, मसनियांकला, रगजा को शामिल किया गया है। वहीं, सरसों के लिए विकासखंड जैजैपुर में बर्रा, चिकलरौंदा, झालरौंदा, को अधिसूचित किया गया है।

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता में कुम्हली इलेवन की टीम ने मारी बाजी

शिवरीनारायण। नगर के मेला ग्राउंड में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन शनिवार रात्रि को हुआ। क्रिकेट प्रतियोगिता में कुम्हली पाटन की टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वही भिलाई की 108 बालाजी की टीम उपविजेता रही।

प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष रजनीश सिंह उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश, समाजसेवी प्रकाश बंसल, बालाजी केमिकल एवं डेवलपर्स के ऑनर अंकित मिश्रा वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष अग्रवाल उपस्थित थे । अतिथियों ने भगवान शिवरीनारायण के चलचित्र की पूजा अर्चना दीप प्रज्वलन के पश्चात टॉस कराकर फाइनल मैच की शुरुआत कराई। सभी अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। फाइनल मैच में टॉस जीतकर कुंबली इलेवन की टीम ने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और भिलाई की टीम को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। फाइनल मुकाबला 12-12 का खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए भिलाई की 108 बालाजी की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 123 बनाए। भिलाई द्वारा मिले।124 रन के लक्ष्य का पीछा हुए कुंबली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल मुकाबले की विजेता टीम बनी। विजेता टीम को नगर के समाजसेवी प्रकाश बंसल द्वारा प्रथम पुरस्कार एक लाख 51 हजार नगद और ट्राफी प्रदान किया। वहीं उपविजेता भिलाई की टीम को बालाजी केमिकल एवं डेवलपर्स के ऑनर इंजीनियर अंकित मिश्रा ने द्वितीय पुरस्कार 75 हजार नगद और ट्राफी प्रदान किया ।पुरी प्रतियोगिता में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी दीदार खान को मैन ऑफ द सीरीज रूप में ग्यारह हजार नगद और ट्राफी राहुल सुल्तानिया द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

खोखरा डंपिंग यार्ड से जनता त्रस्त दूषित वातावरण से चलना हुआ दूभर

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर में स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोलता हुआ खोखरा रोड स्थित कचरा डंपिंग यार्ड गंभीर जनसमस्या का रूप ले चुका है। शहर भर से एकत्र किया जा रहा कचरा बिना किसी वैज्ञानिक निस्तारण के खुले में डंप किया जा रहा है, जिससे आसपास के रहवासी इलाकों में बदबू और मच्छरों का आतंक है। वहीं बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

नगर पालिका द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट से कचरे के सुरक्षित निपटान का प्लान तैयार किया गया था, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। जांजगीर का खोखरा रोड स्थित कचरा डंपिंग यार्ड शहरवासियों के लिए बड़ीपरेशानी का सबब बन गया है। कई सालों से यहां पर डंप होने वाला कचरा सड़क किनारे खुले मैदान में जमा हो रहा है। इससे न सिर्फ भारी दुर्गंध फैल रही है बल्कि आसपास के आवासीय इलाकों में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या उभरी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर प्रशासन द्वारा कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण और वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम शुरू करने के नाम पर कई योजना घोषित की गई थीं। लेकिन इन प्रोजेक्टों का क्रियान्वयन अधूरा रहने के कारण कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है और कोई ठोस समाधान अब तक नहीं मिला पाया हैं। खोखरा रोड पर कचरे के बड़े-बड़े ढेर सड़क के किनारे तक फैल चुके हैं। हवा चलते ही कचरा उड़कर सड़क और आसपास के मोहल्ले में पहुंच जाता है। कई जगहों पर कचरे में आग लगा दी जाती है, जिससे जहरीला धुआं निकलता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। स्थानीय निवासियों का, कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों में खांसी, एलर्जी और बुखार जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। नगर पालिका द्वारा घर-घर अलग करने और प्रोसेसिंग यूनिट कचरा संग्रहण, गीला-सूखा कचरा के दावे किए गए थे, लेकिन हकीकत में खोखरा डंपिंग यार्ड में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। जानकारों का मानना है कि जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट दम तोड़ चुका है।

नाबालिग ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से मासूम की मौत

जांजगीर-चांपा। सकी जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र के भोथिया गांव में नाबालिग ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव की गली में अनियंत्रित ट्रैक्टर लोहे के खंभे से टकरा गई, जिससे खंभा एक मासूम बच्चे के ऊपर आ गिरा। हादसे में 9 वर्षीय मोनिक चंद्रा की मौके पर ही मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया, जिससे ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जैजैपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भोथिया में शनिवार 27 दिसंबर की शाम एक नाबालिग ट्रैक्टर चला रहा था। ट्रैक्टर की गति तेज होने के कारण वह अपना नियंत्रण खो बैठा। अचानक नियंत्रण बिगड़ने से ट्रैक्टर सड़क किनारे लगे लोहे के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा उखड़कर पास में खड़े 9वर्षीय मोनिक चंद्रा के ऊपर जा गिरी। खंभे में दबने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया, जिससे ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इधर घटना की सूचना पर जैजैपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर काफी तनाव का माहौल था। मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को नियंत्रित किया और अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए आसपास के थानों से भी पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस की समझाइश के बाद किसी तरह माहौल शांत हुआ। फिलहाल जैजैपुर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। नाबालिग चालक के ट्रैक्टर चलाने के मामले में कानूनी पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीकृष्ण-सुदामा कथा सुनने उमड़े भक्त

जांजगीर। ग्राम भंवरमाल में बाबूलाल बरेठ के निवास पर आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के सातवें दिन कथावाचक पं. नागेंद्र चतुर्वेदी ने कहा कि सच्ची मित्रता में धन और पद कभी बाधा नहीं बनते, इसका जीवंत उदाहरण श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता है। उन्होंने श्रीकृष्ण-सुदामा की कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

कथावाचक ने बताया कि सुदामा अत्यंत गरीब ब्राह्मण थे। पत्नी की सलाह पर वे द्वारका में अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने गए। भेंट स्वरूप पड़ोस से लाए गए पोहे फटे कपड़े में बांधकर ले गए। द्वारका पहुंचकर सुदामा सोने की नगरी देखकर दंग रह गए। श्रीकृष्ण ने स्वयं दौड़कर उनका स्वागत किया और प्रेमपूर्वक पोहे ग्रहण किए।

विदाई के समय सुदामा बिना कुछ मांगे लौट आए, लेकिन घर पहुंचने पर उन्होंने अपनी झोपड़ी की जगह भव्य घर देखा। यह श्रीकृष्ण की कृपा थी, जिसने उनकी गरीबी और दुख दूर कर दिए।

इस अवसर पर यजमान बाबूलाल बरेठ, उर्मिला बरेठ, कमलकिशोर बरेठ, ऐश्वर्या बरेठ, नंदकिशोर बरेठ, दुर्गेश्वरी, विमल किशोर बरेठ, वर्षा बरेठ, जिला पंचायत महिला विकास सभापति मोहन कुमारी, चित्रभानु पांडेय, जितेंद्र तिवारी, पंचराम कश्यप, राजेंद्र कश्यप, क्रांति कश्यप, देवचंद, हर्षित, सौरभ, अजय, अभय, चंद्रप्रकाश साहू, कुणाल, सुमीत, हर्षकांत रजक, पूनम रजक, दामिनी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीईओ की मीटिंग से 118 सीएससी रहे गायब, जवाब दिया- छुट्टी पर बाहर हैं

जांजगीर। जिले में शिक्षा व्यवस्था अव्यवस्था का हाल रविवार को उस समय सामने आया, जब छुट्टी के दिन जिला शिक्षा अधिकारी को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के लिए आपात बैठक बुलानी पड़ी। बैठक का मकसद था रजिस्ट्रेशन की सुस्त रफ्तार पर ब्रेक लगाना, लेकिन नतीजा उल्टा निकला। 163 सीएससी में से महज 45 ही बैठक में पहुंचे। वहीं बाकियों ने सोशल मीडिया ग्रुप पर जवाब दे दिया कि छुट्टी में बाहर हैं।

जिले को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में 1 लाख 27832 रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य मिला है। अब तक सिर्फ 16 हजार 572 रजिस्ट्रेशन हुए हैं यानी लक्ष्य का सिर्फ 13 फीसदी पूरा हुआ है। हालत इतने गंभीर हैं कि लक्ष्य और समय के बीच फासला लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर डीईओ अशोक सिन्हा ने रविवार को बीईओ, बीआरसीसी और सभी सीएससी की बैठक बुलाई। बीईओ और बीआरसीसी तो पहुंचे, लेकिन सीएससी स्तर पर लापरवाही खुलकर सामने आई। 163 में से सिर्फ 45 सीएससी बैठक में पहुंचे। इस डीईओ ने साथ कहा कि यह प्रशासनिक जिम्मेदारी भी है।

बिना सूचना छुट्टी पर जाना गलत है। बैठक में निर्देश दिए गए कि दो दिन के भीतर हर हाल में रजिस्ट्रेशन बढ़ाया जाए। स्कूल स्तर पर बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों से संपर्क कर प्रक्रिया पूरी कराई जाए। ऑनलाइन अटेंडेंस और तकनीकी दिक्कतों को तुरंत सुलझाने कहा गया। डीईओ ने बैठक में यह संकेत भी दिए कि अगर तय समय में सुधार नहीं हुआ तो जवाबदेही तय की जाएगी। विभाग ने 5 जनवरी तक का समय तय किया है। बैठक में निजी स्कूलों के मामले में सख्ती बरतने के संकेत दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि एक-दो दिन तक स्थिति पर नजर रखी जा सकती है। इसके बाद किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि क्लस्टर संसाधन समन्वयक (सीएसई) और संबंधित अधिकारी निजी स्कूलों का दौरा करेंगे।

नई रेल लाइन के लिए सर्वे शुरू 28 गांवों की जमीन ली जाएगी

जांजगीर। खरसिया-नवा रायपुर रेलवे परियोजना के अंतर्गत 278 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन बिछाने के लिए जिले में भूमि सर्वेक्षण का कार्य धान कटाई पूरी होने के बाद शुरू हो गया है। रेलवे और राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी अब गांवों में पहुंचकर प्रस्तावित रेलवे लाइन क्षेत्र में आने वाले खसरा नंबरों को चिह्नांकित कर रहे हैं।

खसरा नंबरों के चिह्नांकन के बाद भूमि अधिग्रहण के लिए संबंधित खसरा नंबर और प्लॉट नंबर का प्रकाशन राजपत्र में किया जाएगा। इसके बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। नवागढ़, खैरताल और गंगाजल गांवों में प्रारंभिक सर्वेक्षण शुरू हो चुका है। रेलवे की इस परियोजना के अंतर्गत जिले की नवागढ़, बम्हनीडीह, शिवरीनारायण व पामगढ़ तहसील के 28 गांव अधिग्रहण क्षेत्र में आएंगे। प्रदेश में इस वर्ष बजट में रेलवे लाइन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो नवा रायपुर से एक ओर दुर्ग और दूसरी ओर रेल लाइन बलौदा बाजार के 16 गांवों से होकर गुजरेगी।

जरूरतमंद को बांटे गए कंबल

बिलासपुर। सर्वेश्वरी समूह शाखा सेंदरी (कोनी), बिलासपुर द्वारा समाजसेवा के उद्देश्य से संचालित 19 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय चरण का कंबल वितरण कार्यक्रम किया। यह सेवा कार्य अचानकमार सीमा के अंतर्गत लोरमी ब्लॉक के खुड़िया (छपरवा) क्षेत्र के ग्राम सारसडोल, सिवलखार तथा कोटा ब्लॉक के ग्राम करका (बैगा पारा) व नेवसा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शाखा मंत्री उमेश नारायण मिश्रा ने श्री सर्वेश्वरी समूह द्वारा देशभर में संचालित 19 सूत्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इसके बाद कोरवा परिवारों के महिला, पुरुष एवं बच्चों को 310 कंबल, 50 नई साड़ियां, 50 छोटे बच्चों को नए गर्म कपड़े वितरित किए गए। इसके अलावा कोटा ब्लॉक के ग्राम बगधरा एवं गौरखुरी में बैगा जनजातियों के मध्य 122 कंबलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कोणाध्यक्ष राकेश दीक्षित, सदस्य संजय सराफ, संजय मालगे, अजय दुबे, अभिजित तिवारी, आंजल मिश्रा, भगवानदास, खेलावन राम ध्रुव, धर्मेन्द्र श्रीवास, आजुराम मरकाम, दिनेश विश्वकर्मा, कृष्णा तंबोली, शिव यादव, कृष्णकुमार पाण्डेय, आशा मिश्रा, अलका तिवारी, किरण दीक्षित, पूर्णिमा विश्वकर्मा व मधु आदि मौजूद रहे।

बिना अनुमति डीजे बजाने पर होगी कार्रवाई, वाहनों की होगी जांच

जांजगीर। नए साल के स्वागत के लिए पुलिस ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। क्राइम-फ्री माहौल बनाए रखने के लिए चौक-चौराहों और पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस जवानों की तैनाती होगी। शराब पीकर बाइक चलाने और हुड़दंग करने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। बिना अनुमति डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा। तेज आवाज में डीजे या साउंड सिस्टम बजाने पर कड़ी कार्रवाई होगी शराब पीकर वाहन चलाने, तीन सवारी बैठाने और तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर भी सख्त नजर रखी जाएगी। पुलिस इस बार सिर्फ नाकेबंदी नहीं करेगी, बल्कि हाईटेक निगरानी भी रखी जाएगी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में कैमरों से नजर रखी जाएगी। इंटरसेप्टर और स्पीड रडार से तेज रफ्तार व स्टंट करने वालों की धरपकड़ होगी। 112 की टीम पूरी रात आउटर सड़कों पर पेट्रोलिंग करेगी। विशेष पेट्रोलिंग और अतिरिक्त बल भी फील्ड पर मौजूद रहेंगे। 6 सड़क पर रुककर या सार्वजनिक स्थानों पर केक काटना, भीड़ एकत्र कर हुड़दंग मचाना प्रतिबंधित रहेगा। 6 चलती गाड़ी के दरवाजे, बोनट या छत पर खड़े होकर स्टंट करना या वीडियो बनाना प्रतिबंध रहेगा। 6 शराब पीकर वाहन चलाना (ड्रिंक एंड ड्राइव) पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। सड़क पर रेसिंग करना, ट्रिपल राइडिंग करना या खतरनाक स्टंट-बाइकिंग करने पर कार्रवाई होगी। 6 बिना अनुमति डीजे बजाना या तेज आवाज में साउंड सिस्टम चलाना प्रतिबंधित रहेगा। गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार या सार्वजनिक शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। नियम तोड़ने पर जाना पड़ेगा जेल

अंबिकापुर में व्यापारी के सिर पर डंडा-मारकर 20 लाख लूटे

सरगुजा। अंबिकापुर के सत्तीपारा में रविवार रात साढ़े 9 बजे एक व्यापारी से लूट हुई है। बदमाशों ने डंडे से हमला किया और रुपयों से भरा बैग लेकर भाग निकले। व्यापारी के अनुसार बैग में करीब 20 लाख रुपए थे। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

थाने में शिकायत के बाद आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी बीच पुलिस को देख आरोपी भाग निकला लेकिन पैसे से भरा बैग और बाइक वहीं छोड़ गया। बैग से 18 लाख कैश बरामद कर लिया गया है।

पुलिस फिर से फरार की तलाश कर रही है। हमले में व्यापारी को गंभीर चोट आई है। निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दुकान का पूर्व कर्मचारी है पीड़ित व्यापारी अनिल अग्रवाल मोबाइल कंपनी के डीलर हैं। वे दिन भर का कलेक्शन लेकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। हमले में सिर पर डंडे पड़ते ही वे बेहोश होकर नीचे गिर पड़े।इस दौरान हमलावर उनका पैसों से भरा बैग लेकर भाग गए। पुलिस के मुताबिक, घटना में दुकान का पूर्व कर्मचारी शामिल है। उसकी तलाश जारी है।जानकारी के मुताबिक, मोबाइल कंपनी के डीलर व हिंदुस्तान यूनिलीवर कंपनी की फ्रेंचाइजी के संचालक अनिल अग्रवाल रविवार रात करीब साढ़े 9 बजे राम मंदिर के पास संचालित अपनी दुकान बंद कर वापस घर लौट रहे थे।

वे सत्तीपारा में रानी सती मंदिर कॉलोनी के लिए जैसे ही मुड़े, अज्ञात हमलावर ने सामने आकर उनके सिर पर डंडे से हमला कर दियां अचानक हुए हमले में अनिल अग्रवाल स्कूटी से गिरकर बेहोश हो गए। अनिल अग्रवाल के गिरते ही बदमाश रुपयों से भरा बैग लेकर भाग निकला।

अनमोल वचन......

सुरक्षित रहने वाले लोगों और निडरता से जीने वाले लोगों की मृत्यु दर एक ही है....

राम भरोसे जीने विवश हो जाएंगे

मनरेगा के जी राम जी में बदलने से निवेशकों और धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दर पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें बाधा आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से ही एक बड़ी शिकायत थी। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम) को वीबी- जी राम जी (विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन- ग्रामीण) में बदलने के नरेंद्र मोदी सरकार के इरादे में नागरिकों के प्रति उसके नजरिये की झलक देखी जा सकती है। मनरेगा उस दौर में बना, जब तत्कालीन यूपीए-1 सरकार ने विकास की अधिकार आधारित अवधारणा को अपनाया था। समझ यह थी कि गरिमामय जिंदगी की न्यूनतम शर्तों को वैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जाए और उन स्थितियों को हासिल करने की योजनाएं लागू की जाएं। इस रूप में उस दौर में बने कई कानून सामान्य कल्याण योजनाओं से अलग थे। इसीलिए मनरेगा को मांग केंद्रित बनाया गया- यानी प्रावधान किया गया कि ग्रामीण इलाकों में अकुशलकर्मी जब कभी मांग करेंगे, कम-से-कम 100 दिन उन्हें काम मुहैया करना सरकार के लिए अनिवार्य होगा। इस काम में पारिश्रमिक भुगतान का पूरा खर्च केंद्र उठाएगा, जबकि सामग्रियां आदि जुटाने का खर्च राज्य सरकार के खजाने से आएगा। अब ये सारे प्रावधान अब बदल जाएंगे। अब कुछ छोटे राज्यों को छोड़ कर बाकी हर राज्य की सरकार को पारिश्रमिक का 40 फीसदी हिस्सा भी अपने कोष से देना होगा। इसके अलावा योजना मांग केंद्रित नहीं रह जाएगी। जी राम जी बजट का उपयोग सरकार की प्राथमिकता से होगा। बोलचाल की आर्थिक भाषा में कहें, तो डिमांड साइड के बजाय सप्लाई साइड की योजना बन जाएगी।

फिर यह सालों भर चलने वाली योजना नहीं रहेगी। कृषि सीजन में इसे रोक दिया जाएगा। तो कुल मिलाकर बदलाव सिर्फ नाम में नहीं, बल्कि अधिनियम के मूल ढांचे में है। नतीजा यह होगा कि आपातकाल में न्यूनतम रोजगार की आश्वस्ति प्रदान करने और मजदूरों का पलायन रोकने में मनरेगा का, भले ही न्यूनतम मगर जो महत्त्वपूर्ण योगदान बना, वह स्थिति अब नहीं रहेगी। इससे निवेशकों और कृषि सीजन में धनी इलाकों के किसानों को सस्ती दरों पर मजदूर मिल सकेंगे। मनरेगा से इसमें रुकावट आई थी और यह इन तबकों की इस कानून से आरंभ से एक बड़ी शिकायत थी। जबकि जिन गरीब मजदूरों का यह सहारा था, वे अब राम भरोसे जीने को अधिक विवश हो जाएंगे।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से आय बना रहेगा। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा।

वृष राशिःआज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज काम के लिए समय निकालना मुश्किल होगा, लेकिन दोपहर बाद समय मिल जाएगा। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। आज कार्यस्थल पर पेपर वर्क करते समय सावधानी रखने की जरूरत होगी। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के सहयोग से घर में सुखद व्यवस्था रहेगी और आपको भी सहायता मिलेगी।

मिथुन राशिः आज आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आपको गतिविधियों को गोपनीय रखना होगा साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। आज दूसरों से मदद की उम्मीद ना रख कर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें। ध्यान रखें कि आपकी जिद्द से आपका काम खराब हो सकता है। परिवारजनों के साथ मनोरंजन में अच्छा समय बीतेगा। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए पॉज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने क्षेत्र में अच्छी मेहनत करेंगे। आज किसी उलझन से आपको छुटकारा मिलेगा, दोस्त आपको बेहतर सलाह देंगे। आज नई योजना पर काम करने से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपकी अच्छी सोच का अच्छा नतीजा मिलेगा। आपके रहने और बोलने का तरीका लोगों को आकर्षित करेगा। आज आपको अपनी पढ़ाई और करियर के प्रति ज्यादा मेहनत की जरूरत है।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आज आप पर अधिक जिम्मेदारियां रहेंगी जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। नए लोगों से जुड़ने से आपको कई बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताने से आप अपने अंदर शांति महसूस करेंगे।

तुला राशिःआज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। आज कारोबारी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में अभी और कोशिश करनी होंगी। अपने काम की [ालिटी को और अधिक बेहतर बनाएंगे। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपका उचित तालमेल बना रहेगा। इस राशि के लोगों को अपनी जिम्मेदारियों को समझकर तय समय पर पूरा करने की जरूरत है। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आप काम की [ालिटी और बेहतर बनाने में ध्यान दें। मार्केटिंग संबंधी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेगी।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। शिक्षा में सफलता मिलेगी। लेखन आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी पर भी भरोसा करने से पहले सोच विचार अवश्य कर लें। आज व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ घरेलू जिम्मेदारियां भी बढ़ेगी। आज कुछ विरोधी लोग आपको भावनात्मक रूप से कमजोर करने के लिए अफवाहें फैला सकते हैं।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है। अधिकारियों और सम्मानित लोगों से रिश्ते बेहतर रखना आपके बिजनेस के लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपको अच्छे आर्डर मिल सकते हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्यस्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजरअंदाज ना करें। अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें। आज कार्यस्थल पर शांति भरा माहौल रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। कुछ समय से चल रही आपकी लगन और मेहनत का आज ज्यादा लाभ मिलने वाला है। इसलिए अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखें।

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

//नीरज कुमार दुबे//

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वहीं 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि ज़मीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका। 2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो। यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दर्शाता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया। बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

राष्ट्रमंडल खेलों के बहाने क्या अहमदाबाद बन पाएगा कर्णावती

//उमेश चतुर्वेदी//

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में अहमदाबाद बसाया। राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी अहमदाबाद को मिलने के बाद एक बार फिर उसका नाम बदलकर कर्णावती करने को लेकर सोशल मीडिया पर मांग तेज हो गई है। तर्क दिया जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन यानी साल 2030 तक गुजरात की पहली राजधानी को कर्णावती के नाम से जाना चाहिए।

यह पहला मौका नहीं है, जब इस शहर का नाम बदलने की मांग हो रही है। जब साल 2018 में गुजरात के सहोदर राज्य महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने कई शहरों के नाम बदले, तब भी यह मांग उठी थी। लेकिन तब इसे अस्वीकार कर दिया गया था। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी का जोर भारत के प्राचीन रूप और नाम पर रहा है, फिर गुजरात की सत्ता पर भाजपा तकरीबन तीन दशक से काबिज है, इसकी वजह से शहर को पुराने नाम की पहचान दिलाने की चाहत रखने वाले रह-रहकर मांग करते रहे हैं।

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में अहमदाबाद बसाया। कर्णावती नाम करने की मांग के पीछे इस शहर को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने की चाहत से प्रेरित है। कुछ वैसे ही, जैसे उत्तर प्रदेश में फैजाबाद को बदलकर अयोध्या, मुगलसराय को बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर, इलाहाबाद को बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है।

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गौरवशाली अतीत से जुड़ने और उसकी संज्ञाओं को बहाल करने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या में राममंदिर, वाराणसी में काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरीडोर बनने के बाद पुनरूत्थानवादी सोच और प्रक्रिया को और बल मिला है। ऐसे में अहमदाबाद को पुराने कर्णावती नाम से जानने-पुकारने की इच्छा होना अचरज की बात नहीं है। कर्णावती नाम करने को लेकर कभी इसी शहर के एलिसब्रिज से विधायक और अब गांधीनगर से सांसद गृहमंत्री अमित शाह और अहमदाबाद पूर्व से लोकसभा सदस्य रहे हंसमुख भाई पटेल नकार चुके हैं। यह बात और है कि कभी हसमुख पटेल खुद भी कर्णावती नाम करने के लिए अभियान चला चुके थे। उन्होंने खुद 1995 और 2000 में नाम बदलने के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसे नकार दिया गया था। बाद में उन्होंने ही 2005 में शहर को हेरिटेज सिटी यानी विरासत शहर का दर्जा देने की मांग की थी। इसके बाद वे कर्णावती नाम किए जाने की मांग से पीछे हट गए थे। तब उन्होंने कहा था कि अब अगर अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती किया गया तो उसे वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दर्जा मिलना मुश्किल हो जाएगा।साल 2018 में गुजरात के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि राज्य सरकार अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने पर विचार कर रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी ऐसा कहते रहे। तब उनकी राय सामने आने के बाद अहमदाबाद के इतिहास को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। इसी तरह जब से अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन का जिम्मा मिला है, एक बार फिर यही बहस तेज हो गई है। अहमदाबाद ही कर्णावती था, इसकी जानकारी कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलती है। ऐसी ही एक पुस्तक है, गुजरात विश्वविद्यालय में फ़ारसी के प्रमुख रहे छोटूभाई नायक की किताब हिस्ट्री ऑफ़ इस्लामिक सल्तनत इन गुजरात। इसमें छोटू भाई नायक ने बताया है कि गुजरात के पहले स्वतंत्र शासक मुज़फ़्फ़रशाह ने अपने चार लड़कों को दरकिनार करते हुए अपने पोते अहमद शाह को अनहिलवाद के सिंहासन पर बैठा दिया था। जिसे आज हम पाटन के नाम से जानते हैं। इसी मुज़फ़्फ़र शाह के पांच बेटे थे, फ़िरोज़ ख़ान, हैबत ख़ान, सादत ख़ान, तातार ख़ान और शेर ख़ान। जिस अहमद शाह ने अहमदाबाद बसाया, वह तातार ख़ान का बेटा था। अहमद शाह के चाचाओं को इस बात का मलाल रहा कि राज्य में उन्हें हिस्सा नहीं मिला। गुजरात के इतिहास पर अंग्रेज लेखक एडवर्ड क्लाइव बेले की मशहूर किताब है, द लोकल मौह्मडन डायनेस्टीज़ गुज़रात। इसमें उन्होंने मुजफ्फरशाह परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक में बताया गया है कि फ़िरोज़ ख़ान का बेटा और अहमद शाह का चचेरा भाई मौदूद तब बड़ोदा का गवर्नर था। मौदूद ने अपने पिता फ़िरोज़ ख़ान के साथ मिलकर अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत छेड़ने की तैयारी की और अपने साथ अमीर मुसलमानों को मिलाना शुरू किया। इस पुस्तक के मुताबिक, तत्कालीन दो हिंदू सरदारों, जीवनदास खत्री और प्रयागदास ने भी फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया। छोटू भाई शाह की पुस्तक के अनुसार, मालवा के सुल्तान हुशांग शाह ने भी अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत में फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया था। अहमद शाह के ख़िलाफ़ खड़ी हो रही सेना की अगुआई मौदूद के हाथ थी, उसने जीवनदास को अपना वज़ीर घोषित कर दिया। जीवनदास ने पाटन पर हमले की सलाह दी। लेकिन कई ने इसका विरोध किया। कुछ लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने समझौते का प्रस्ताव रखा था। लेकिन दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने पलट कर अहमद शाह से मिल गए। बहरहाल बाद में संघर्ष हुआ, जिसमें जीवनदास खत्री मारा गया। इसके बाद मौदूद को मजबूरी में खंबात का रूख करना पड़ा। वहां सूरत के शेख मलिक और रेंडर से उसकी मुलाकात हुई। इस बीच अहमद शाह उसका पीछा करता रहा और उसने जल्द ही मौदूद को गिरफ्तार करके भरूच किले को घेर लिया। बाद में सुल्तान को मौदूद पर दया आ गई और उसने मौदूद को रिहा करके वापस लौट गए। पाटन लौटते वक्त अहमदशाह ने साबरमती के किनारे असावल नामक कस्बे के पास डेरा डाला था। जिसके प्रमुख आशा भील थे। इसका जिक्र फारसी भाषा में लिखी अली मुहम्मद ख़ान की किताब मिरात-ए-अहमदी में जिक्र मिलता है। छोटूभाई नायक भी अपनी किताब में यही बात लिखते हैं। जहां सुल्तान रुका था, वहीं उसने नया शहर बसाने का फ़ैसला किया। इसके बाद सुल्तान अपनी सेना लेकर आए जिसके बाद असावल के सरदार आशा भील को अपना क़स्बा छोड़कर भागना पड़ा। लेकिन आशा भील इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन अहमदशाह की सेना के सामने वह टिक नहीं पाए और उन्हें पलायन करना पड़ा। फिर अहमदाबाद शहर की नींव 1411 के फरवरी-मार्च महीने में रखी गई। एक दावा यह भी है कि अहमद शाह ने अपने पीर हज़रत शेख़ अहमद खट्टू गंज बख़ूश की सलाह पर अहमदाबाद शहर बसया। लेकिन एक और लेखक खान बहादुर ने अपनी पुस्तक हिस्ट्री ऑफ़ गुजरात में लिखा है कि अहमद शाह ने चार अहमदों, जिनमें एक उनके गुरू भी थे, के नाम पर शहर का नाम अहमदाबाद रखा।

गुजरात के जाने-माने पत्रकार अच्युत याज्ञनिक और उनकी साथी सुचित्रा सेठ ने अपनी किताब अहमदाबाद फ्रॉम रॉयल सिटी टू मेगा सिटी में अहमदाबाद, कर्णावती और असावल की चर्चा की है। अहमदाबाद को अरबी और फ़ारसी इतिहासकारों ने इसे असावल कहा है, जबकि संस्कृत और प्राकृत साहित्य में इसे आशापल्ली कहा गया है। दसवीं सदी में भारत आए ईरानी इतिहासकार अल-बरूनी ने भी असावल नाम की जगह का जिक्र किया है। इसी तरह 1039 में लिखी जैन आचार्य जिनेश्वरसुरी की पुस्तक निर्वाणलीलावतीकथा में अशापल्ली का ज़िक्र है।साफ है कि अहमदाबाद के पहले वहां आशापल्ली या असावल नाम की जगह थी या शहर था। इसके करीब 1304-05 में लिखी अपनी पुस्तक प्रबंधचिंतामणि में जैन आचार्य मेरुतुंडाछ्य ने कर्णावती का उल्लेख किया है। इसी किताब में जिक्र मिलता है कि पाटन के राजा कर्णदेव ने आशापल्ली पर कब्जा आशा भील को हराने के बाद किया और यहां पहले कोछराब देवी का मंदिर स्थापित करके यहां रहना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने यहां कर्णेश्वर महादेव का मंदिर बनाया भी बनाया। इसके बाद उन्होंने कर्णा सागर बनवाया और कर्णावती पुरी को बसाकर उसे अपनी राजधानी बनाया। इन्हीं ऐतिहासिक साक्ष्यों के ही आधार पर अहमदाबाद को कर्णावती करने की मांग उठती रही है।

तस्वीरों की दुनिया

लखनऊ में जीपीओ पर बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ कथित अत्याचारों और हिंसा के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस का पुतला जलाया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे लखनऊ में पार्टी ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बातचीत करते हुए।

एक समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित जोड़े पोज़ देते हुए, जिसमें लगभग 51 जोड़ों ने शादी की।

परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने नई दिल्ली में गांधी स्मृति और दर्शन समिति में यमुना परिवार परिषद द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित यमुना संगम के दौरान संबोधित किया।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कर्नाटक के मुंडगोड में एक बैठक के दौरान तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

पटना में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस स्थापना दिवस के मौके पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने की मांग को लेकर पदयात्रा के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पार्टी नेता।

बिना इजाजत बनाया, उग्रवादियों के नाम... मणिपुर में रिंग रोड के काम को NGT ने रोकने का क्यों दिया आदेश?

नईदिल्ली, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

मणिपुर में एक ऐसी रिंग रोड का मामला सामने आया है जिसे राज्य सरकार की मंजूरी के बिना बनाया गया। यह रोड 6 जिलों के जंगलों से होकर गुजरती है। यह मामला तब सामने आया जब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने मणिपुर सरकार को रिंग रोड पर और कोई निर्माण कार्य न करने का आदेश दिया।एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एनजीटी ने मणिपुर के मुख्य सचिव को छह प्रभावित जिलों के मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने के लिए कहा। यह जंगल वाला रिंग रोड उस सरकारी मंजूरशुदा रिंग रोड जैसा नहीं है जो एशियन डेवलपमेंट बैंक की मदद से राज्य की राजधानी इम्फाल में बन रहा है। कोलकाता में एनजीटी की ईस्टर्न जोन बेंच का यह आदेश मणिपुर के मैतेई समुदाय के सिविल सोसाइटी संगठनों की अंब्रेला बॉडी, COCOMI की ओर से दायर एक निवेदन पर आया है, जिसमें सड़क बनाने वालों को तुरंत काम रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। COCOMI ने एनजीटी में अपनी अर्जी में कहा कि जंगल वाले इलाकों में सड़क बनाने का काम पूरे पर्यावरण और भूवैज्ञानिक सुरक्षा मूल्यांकन के बिना जारी नहीं रखा जा सकता। संगठन ने प्रोजेक्ट साइट का निरीक्षण करने, रिपोर्ट देने और किसी भी नियम तोड़ने वाले को सजा देने के लिए विशेषज्ञों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाने की मांग की। एनजीटी ने कहा कि आवेदक ने उन्हें बताया कि चुराचांदपुर, कांगपोकपी, नोनी और उखरुल जिलों में जंगल और पहाड़ी इलाकों से

गुजरने वाली सड़क पर निर्माण कार्य कुकी समुदाय की ओर से किया जा रहा है। एनजीटी ने कहा, जैसा कि वर्ल्ड कुकी-जो इंटेलेक्चुअल काउंसिल द्वारा 5 फरवरी, 2025 को सौंपे गए एक मेमोरेंडम से पता चला है। एनजीटी ने आगे कहा, आवेदक ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय, ग्रामीण इंजीनियरिंग विभाग और वन विभाग सहित संबंधित अधिकारियों से जानकारी इकट्ठा की है। उन्होंने बताया है कि ऐसे निर्माण के लिए कोई आधिकारिक मंजूरी, अनापत्ति प्रमाण पत्र या वन मंजूरी जारी नहीं की गई है। आवेदक ने आगे बताया है कि सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि इकोलॉजिकली संवेदनशील इलाकों में गैर-कानूनी गतिविधि हो रही है। एनजीटी के आदेश के बाद सिविल सोसाइटी संगठनों की अम्ब्रेला बॉडी ने पत्रकारों को बताया कि इस सड़क को स्थानीय तौर पर जर्मन रोड और कुछ हिस्सों में टाइगर रोड कहा जाता है। जर्मन और टाइगर कुकी विद्रोहियों के उपनाम हैं।एक स्थानीय का कहना है, सिर्फ मणिपुर में ही बिना मंजूरी, इजाजत और पर्यावरण आकलन के जंगल के बीच से उग्रवादियों के नाम पर सड़क बनाई जा सकती है। ऐसे उदाहरणों की वजह से ही मणिपुर के लोग नाराज हैं। जो लोग कानून की परवाह नहीं करते, जो खुलेआम विद्रोहियों के साथ काम करते हैं और सभी संवैधानिक प्रावधानों को तोड़ते हैं, उन्हें सजा नहीं मिलती। COCOMI ने बताया, इस (सड़क) के बारे में लोगों को तब पता चला जब मणिपुर संकट के दौरान सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हुए, जिसमें कथित तौर पर साइकुल विधायक के शामिल होने वाला एक उद्घाटन कार्यक्रम और टाइगर रोड नाम का गेट लगी तस्वीरें शामिल थीं।

संगठन ने कहा, यह भी एक गंभीर सार्वजनिक चिंता का विषय है, जिसे सक्षम अधिकारियों के सामने पेश किए गए अभ्यावेदनों, फील्ड ऑब्जर्वेशन और सिविल सोसाइटी रिपोर्टों में लगातार उठाया गया है कि संकट के दौरान प्रशासनिक गड़बड़ी के समय इस सड़क का इस्तेमाल एक गुप्त गलियारे के रूप में किया गया था। ये आरोप अवैध ड्रग्स की गैरकानूनी तस्करी, छोटे हथियारों और गोला-बारूद की अनधिकृत आवाजाही और बिना दस्तावेज वाले या अनधिकृत प्रवासियों की आवाजाही के लिए इसके संदिग्ध इस्तेमाल से संबंधित हैं।

म्यांमार चुनावः सैन्य तख्तापलट के बाद पहले चरण में कम मतदान, संकट गहराया

नई दिल्ली। म्यांमार में चरणबद्ध आम चुनाव का पहला चरण रविवार को समाप्त हो गया। 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद पहली बार हुए इन चुनावों में कम मतदान के संकेत मिले हैं। तख्तापलट के बाद लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों को कुचलने और देशव्यापी विद्रोह को भड़काने वाली सैन्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा के बावजूद कहा कि यह इस देश में राजनीतिक स्थिरता लाएगा। रविवार को हुए मतदान में मतदाताओं की संख्या 2020 के चुनाव की तुलना में काफी कम रही। मतदान के अगले चरण 11 जनवरी और 25 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे, जिनमें म्यांमार की 330 बस्तियों में से 265 में मतदान होगा। हालांकि, सैन्य शासन का इन सभी क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं है। तख्तापलट के बाद गठित सशस्त्र समूह और लंबे समय से स्थापित जातीय सेनाएं देश के बड़े हिस्से में सेना से लड़ रही हैं, जिससे 36 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं और एशिया के सबसे भीषण मानवीय संकटों में से एक उत्पन्न हो गया है। चुनाव के अंतिम परिणाम की तिथि अभी घोषित नहीं की गई है। सरकारी मीडिया एमआरटीवी पर प्रसारित फुटेज में सैन्य शासन प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग लोगों से मतदान करने की अपील करते नजर आ रहे हैं।

जयपुर में कॉलेज परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया छात्र, इमारत से कूदकर दी जान

जयपुर। जयपुर के बगरू इलाके में शनिवार को एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्र ने कथित तौर पर परीक्षा में नकल के दौरान पकड़े जाने के बाद तनाव में आकर निर्माणाधीन इमारत की 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान प्रियांशु राज के रूप में हुई है। वह पटना का रहने वाला था और मणिपाल यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष का छात्र था। वह कालेज हॉस्टल में रह रहा था।थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े जाने पर छात्र की आंसर शीट और नोट्स जब्त कर लिए गए थे, जिसके बाद वह मानसिक तनाव में था। इसके बाद उसने एक स्कूटर किराए पर लिया और कालेज से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित एक निर्माणाधीन इमारत में पहुंचा। पुलिस के अनुसार छात्र ने कूदने से पहले 12वीं मंजिल पर दीवार के पास अपना बैग और मोबाइल रख दिया था। इमारत पर काम कर रहे मजदूरों ने गिरने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। गंभीर हालत में छात्र को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।तलाशी के दौरान पुलिस ने 12वीं मंजिल से छात्र का बैग और मोबाइल बरामद किया। बैग में पहचान संबंधी दस्तावेजों के साथ जहर और पानी की एक बोतल भी मिली है।

नेहरू के पत्र- दस्तावेज संग्रहालय को लौटाएं सोनिया गांधी, गजेंद्र सिंह शेखावत ने की अपील

नईदिल्ली, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

केंद्रीय सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पत्राचार और अन्य दस्तावेजों को प्रधानमंत्री संग्रहालय को लौटाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दस्तावेजों के तौर पर ये विरासत संग्रहालय की संपत्ति है।एक विशेष साक्षात्कार में शेखावत ने नेहरू के पत्रों और दस्तावेजों पर बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं लाइब्रेरी (पीएमएमएल), जिसे पहले नेहरू मेमोरियल संग्रहालय व लाइब्रेरी कहा जाता था, उसे पंडित नेहरू के निधन के बाद स्थापित किया गया था। इसके समुचित संचालन के लिए एक सोसाइटी भी बनाई गई थी, लेकिन वह ठीक से काम नहीं कर रही थी। इसके चलते 2023 में एएमएमएल का नाम बदलकर पीएमएमएल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 1970 से 90 के बीच के 20 वर्षों में नेहरू से जुड़े सभी गैर आधिकारिक दस्तावेज संग्रहालय लाए गए थे। इसमें लोगों को लिखे उनके व्यक्तिगत पत्र, उनके जवाब और उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी और नोट शामिल थे।उन्होंने कहा कि इसी तरह के तमाम दस्तावेजों को प्रधानमंत्री संग्रहालय में सहेजा गया है। इस तरह लगभग ढाई करोड़ दस्तावेज वहां जमा हैं। इनमें से चार लाख पंडित नेहरू से संबंधित हैं। हालांकि, 2008 में सोनिया गांधी ने पंडित नेहरू के दस्तावेजों को वापस मंगवा लिया था। 57 कार्टन में भरकर 26 हजार दस्तावेजों को संग्रहालय से वापस ले लिया गया था। उन्होंने कहा कि हमने उन दस्तावेजों को संग्रहालय के सुपुर्द करने के लिए दो चिट्ठियां लिखी हैं। इन सभी को संरक्षित करने के लिए इनका डिजिटलीकरण किया जाना है।

राहुल बाबा थकिए नहीं, कांग्रेस की तमिलनाडु और बंगाल विधानसभा चुनाव में हार तयः अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा हार से थकिये नहीं, क्योंकि कांग्रेस का आगामी तमिलनाडु और बंगाल विधानसभा चुनाव भी हारना तय है। कांग्रेस और राहुल गांधी पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई पार्टी जनता की हर पसंद का विरोध करती है तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से बाहर है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझने में विफल रहे हैं। वह अहमदाबाद में शनिवार को एक सभा को संबोधित कर रहे थे।शाह ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान राहुल गांधी ने मुझसे एक अजीब सवाल पूछा, हर बार चुनाव सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है। यह सवाल जनता से पूछने के स्थान पर उन्होंने मुझसे पूछा। राहुल बाबा, यदि आप यहां मेरे द्वारा शुरू की गई इन दो पहलों को समझेंगे तो आपको जवाब मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विजयी होगी। हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हुए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर, सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद-370 को हटाने, समान नागरिक संहिता, तीन तलाक रोधी कानून और बांग्लादेशी घुसपैठियों को खदेड़ने के हमारे अभियान का विरोध किया। अब बताइए, यदि आप जनता की पसंद की चीजों का विरोध करेंगे तो वोट कैसे मिलेंगे। नवी वंजार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 173 निवासियों को सनद (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) सौंपे। लाभार्थी मूलरूप से साबरमती नदी के किनारे स्थित वंजार गांव के निवासी थे, लेकिन 1973 की विनाशकारी बाढ़ में अपने घर खोने के बाद उन्हें नवी वंजार में बसाया गया था। इस अवसर पर शाह ने पश्चिमी ट्रंक लाइन का भी उद्घाटन किया, जो शेला, दक्षिण बोपाल, शांतिपुरा और थलतेज जैसे नव विकसित क्षेत्रों का जल निकासी नेटवर्क है।शाह ने कहा कि इन 173 लोगों को नवी वंजार में तब स्थानांतरित किया गया था, जब राज्य में कांग्रेस सत्ता में थी। लेकिन 50 साल बीत जाने के बाद भी उन्हें भूमि स्वामित्व अधिकार नहीं मिले। इन लोगों को 1973 में कांग्रेस द्वारा यहां पुनर्वासित किया गया था। भाजपा ने ही इनकी पहचान की और इन्हें भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र दिए।

इन लोगों ने कभी आंदोलन नहीं किया और न ही मुझे अपनी समस्या के बारे में बताया।मैं विधायक के रूप में अतीत में इस क्षेत्र का दौरा कर चुका हूं, लेकिन उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा और हमें वोट देते रहे। लेकिन, हमने उनकी समस्या को समझा और मोदी की विकासोन्मुखी नीति के तहत उनकी लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया गया। राहुल गांधी को यह समझना चाहिए। इसके स्थान पर वह एसआईआर को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

त्रिपुरा छात्र एंजल हत्याकांडः सीएम धामी का आश्वासन, सभी आरोपित होंगे गिरफ्तार

नईदिल्ली, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उनके उत्तराखंड समकक्ष पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजल चकमा की हत्या के लिए जिम्मेदार सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने पश्चिम त्रिपुरा में पत्रकारों से कहा कि मैंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पहले ही इस दुखद घटना के बारे में बात की है, जिसमें नंदननगर निवासी छात्र एंजेल चकमा को 9 दिसंबर को देहरादून में कुछ बदमाशों ने बुरी तरह पीटा और बाद में उसका ग्राफिक एरा अस्पताल में निधन हो गया।उन्होंने इसे दुखद बताते हुए कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उन्हें सूचित किया कि इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक फरार है। इस घटना से अवगत दिल्ली नेतृत्व ने भी उत्तराखंड सरकार को आवश्यक निर्देश दिए हैं ताकि पीड़ित के परिवार को न्याय मिले। वहीं, त्रिपुरा के उद्योग व वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने भी छात्र एंजल की मौत पर दुख व्यक्त किया। ध्यान रहे पश्चिम त्रिपुरा के 24 वर्षीय एंजल चकमा पर 9 दिसंबर को देहरादून में छह लोगों ने उस पर हमला किया और 26 दिसंबर को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

दिग्विजय सिंह के आरएसएस वाले बयान पर सियासी घमासान, थरूर और खुर्शीद का समर्थन

नई दिल्ली। आरएसएस की संगठनात्मक मजबूती का हवाला देकर कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की बात कहने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के ट्वीट ने सियासी हलकों में बहस तेज कर दी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन किया है, वहीं भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी की आंतरिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के भीतर भी इस बयान को लेकर अलग-अलग सुर सुनाई दिए, हालांकि पार्टी नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की। दरअसल, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक से ठीक पहले शनिवार को दिग्विजय सिंह ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा की थी।इस पोस्ट में उन्होंने आरएसएस-बीजेपी की संगठनात्मक ताकत का जिक्र करते हुए कहा था कि कैसे एक जमीनी कार्यकर्ता अपने नेताओं के चरणों में बैठकर सीखता है और आगे चलकर मुख्यमंत्री तथा फिर प्रधानमंत्री बनता है। इसी संदर्भ में उन्होंने कांग्रेस संगठन को भी जमीनी स्तर पर मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया था और कहा था कि भाजपा को सत्ता से बाहर करने की लड़ाई में यह बेहद जरूरी है। इस ट्वीट के सामने

आने के बाद राजनीतिक हलकों में इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। आलोचनाओं के बीच रविवार को दिग्विजय सिंह ने अपने बयान का बचाव करते हुए साफ किया कि उन्होंने केवल आरएसएस के संगठनात्मक ढांचे की बात की है, न कि उसकी विचारधारा की। उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, वह कह दिया है। मैं आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करता हूं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि उनका संगठन मजबूत है। दिग्विजय ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और उनके बयान को लेकर पार्टी में फूट डालने की भाजपा की कोशिशें नाकाम होंगी। उन्होंने भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी और आरएसएस-बीजेपी की विचारधारा में बुनियादी अंतर है और यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उनके मुताबिक, हर संगठन को समय-समय पर आत्ममंथन कर खुद को मजबूत करना पड़ता है। इस पूरे विवाद पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संतुलित प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। थरूर के मुताबिक, किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन और जमीनी स्तर पर मजबूती जरूरी होती है। उन्होंने दिग्विजय के बयान को इसी संदर्भ में देखने की बात कही।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि उनके बयान की शब्दावली और संदर्भ को समझना बेहद जरूरी है।खुर्शीद ने कहा कि यह सोचना भी असंभव है कि दिग्विजय सिंह कांग्रेस या देश के हितों के खिलाफ कोई बात कहेंगे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि दिग्विजय ने बहुत सधे हुए शब्दों में अपनी बात रखी है और उनके बयान का मूल उद्देश्य कांग्रेस और देश को मजबूत करना है। हालांकि, खुर्शीद ने इस दौरान आरएसएस की विचारधारा पर तीखा हमला भी बोला।उन्होंने फिल्म शोले का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह गब्बर सिंह के नाम से डर का माहौल बनाया जाता था, उसी तरह समाज को डर या भय के जरिए नहीं चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई डकैत भी मजबूत हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपने बच्चों को डकैत बनने की सीख दें।

जयराम रमेश ने अरावली की पुनर्परिभाषा पर उठाए सवाल, बोले- अखंडता होगी खंडित

नई दिल्ली। अरावली पर्वत श्रृंखला की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से चार सवाल पूछे और दावा किया कि यह कदम पूरी पर्वत श्रृंखला की भौगोलिक और पारिस्थितिकीय अखंडता को कमजोर करेगा।केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर व्यापक चिंताएं हैं, जो उन्हें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भूआकृतियों तक सीमित कर देती है।रमेश ने पूछा, इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचार के लिए चार विशेष प्रश्न उठाने की अनुमति दें। क्या यह सच नहीं है कि राजस्थान में अरावली पहाड़ियों और श्रृंखलाओं की परिभाषा 2012 से, 28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें कहा गया था। तीन डिग्री या उससे अधिक की ढलान वाले सभी क्षेत्रों को पहाड़ियों के रूप में परिभाषित किया जाएगा। साथ ही नीचे की ओर 100 मीटर चौड़ी बफर जोड़ी जाएगी ताकि 20 मीटर की पहाड़ी ऊंचाई के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के समोच्च अंतराल के बराबर है। इन परिभाषित क्षेत्रों में आने वाले समतल क्षेत्र, टेबलटाप, गड्ढे और घाटियां,पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी। उन्होंने पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि एफएसआइ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को 20 सितंबर,2025 को एक संचार में कहा था कि अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं रेगिस्तानकरण के खिलाफ प्राकृतिक बाधाओं के रूप में कार्य करती हैं। भारी रेत के कणों को रोककर- इस प्रकार दिल्ली और पड़ोसी मैदानों को रेत के तूफानों से बचाती हैं।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार संबंधी भारत की टिप्पणियों को ढाका ने किया खारिज

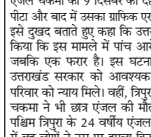

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार को लेकर भारत द्वारा उठाई गई चिंताओं को खारिज करते हुए ढाका ने रविवार को इसे एक गलत, अतिरंजित या मनगढ़ंत बात बताया जो तथ्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी लगातार हिंसा एक गंभीर चिंता का विषय है। मंत्रालय ने पिछले सप्ताह मेमनसिंह क्षेत्र में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोषियों को सजा देने की मांग की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथियों द्वारा जारी हिंसा गंभीर चिंता का विषय है।जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एसएम महबूबुल आलम ने कहा, बांग्लादेश सरकार सांप्रदायिक सद्भाव की बांग्लादेश की दीर्घकालिक परंपरा को गलत तरीके से प्रस्तुत करने वाली किसी भी गलत, अतिरंजित या मनगढ़ंत बातों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।

मध्य प्रदेश से आई बाघिन को राजस्थान के रामगढ़ टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया

जयपुर। मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में लाई गई बाघिन पीएन-224 को जंगल में छोड़ दिया गया है। बाघिन को 21 दिसंबर की शाम को टाइगर रिजर्व से वायुसेना के हेलिकाप्टर में जयपुर तक लाया गया था।जयपुर से बाघिन को एक बंद वाहन में रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में पहुंचाया गया। इसके बाद से बाघिन को एनक्लोजर में रखा गया था। बाघिन के सामान्य होने के बाद शनिवार शाम को एनक्लोजर के द्वार खोले गए।बाघिन रविवार सुबह साढ़े तीन बजे एनक्लोजर से बाहर खुले जंगल में निकली। कुछ दिन तक बाघिन की गतिविधियों, स्वास्थ्य सहित अन्य पर निगरानी रखी जाएगी।

सीरिया के लताकिया में अलावी समुदाय के प्रदर्शनों में तीन की मौत, हिंसा भड़की

लताकिया। सीरिया के अलावी बहुल इलाके लताकिया में रविवार को विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह बाद में हिंसक हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। यह प्रदर्शन सीरिया में अलावी मस्जिद पर हुए घातक बम विस्फोट के बाद आयोजित किया गया था।सीरिया में लंबे समय से सत्ता में रहे नेता बशर अल-असद, जो मुस्लिम अलावी अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं, को पिछले साल सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। उनकी जगह सुन्नी नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता संभाली थी। तब से सीरिया में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं।रविवार को लताकिया शहर के अजहरी चौक पर हजारों अलावी प्रदर्शनकारी सीरिया में एक विकेन्द्रीकृत राजनीतिक व्यवस्था और हजारों अलावी कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर जमा हुए। प्रदर्शन शुरू होने के दो घंटे बाद, एक अज्ञात स्थान से गोलियों की आवाज सुनाई दी। सुरक्षा बलों ने हवा में गोलियां चलाई और प्रदर्शन हिंसक हो गया। तीन लोग मारे गए और 40 से अधिक घायल हुए। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी हताहत अजहरी स्क्वायर में हुए या अन्य शहरों में जहां प्रदर्शन हो रहे थे।

बर्थडे पार्टी, सिगरेट जैसी चीजें और डैशकैम फुटेज... उदयपुर में आईटी मैनेजर से गैंगरेप मामले में क्या खुलासा हुआ?

उदयपुर, 29 दिसम्बर [एजेंसी]।

उदयपुर में चलती कार में एक महिला मैनेजर के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म के आरोप में एक स्थानीय आईटी कंपनी के सीईओ समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना कथित तौर पर 20 दिसंबर को सीईओ की बर्थडे पार्टी के बाद हुई। आरोपियों ने कुछ नशीला पदार्थ खिलाया और उसके बाद पीड़िता बेहोश हो गई और बाद में उसे अपने शरीर पर चोटें मिलीं। बताया जा रहा है कि कार के डैशकैम फुटेज में हमला और आरोपियों के बीच बातचीत रिकॉर्ड हुई है। मामले में 23 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद गिरफ्तारियां हुईं और चार दिन की पुलिस रिमांड मिली। आरोपियों की पहचान आईटी कंपनी के सीईओ जयेश सिसोदिया, एग्जीक्यूटिव हेड गौरव सिरोही और उनकी पत्नी शिल्पा के रूप में हुई है। आरोप है कि यह हमला सुखेर इलाके में हुआ।

इससे पहले शोभागपुरा के एक होटल में रात करीब 9 बजे कंपनी की बर्थडे पार्टी शुरू हुई थी और सुबह 1.30 बजे तक चली।दूसरे मेहमानों के जाने के बाद पीड़िता अकेली रह गई। आरोपियों ने उसे घर छोड़ने का ऑफर दिया और उसे कार में ले गए। रास्ते में तीनों ने कथित तौर पर सिगरेट जैसी चीजें खरीदीं और पीड़िता को उन्हें कंज्यूम करने के लिए मजबूर किया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश आने पर पीड़िता ने बताया कि सीईओ ने उसके साथ छेड़छाड़ की और एग्जीक्यूटिव हेड के पति ने उसके साथ दुष्क किया। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद, आरोपी कथित तौर पर उसे सुबह करीब 5 बजे तक घर नहीं छोड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार के डैशकैम ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग में पूरा हमला रिकॉर्ड हो गया, जिसे पीड़िता ने सबूत के तौर पर पेश किया। मेडिकल जांच में पीड़िता को मामूली चोटें पाई गईं, जिससे उसके बयानों की पुष्टि हुई।सुखेर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गैंगरेप का मामला दर्ज किया गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया।

सर्दियों में महिलाएं शॉल को जींस और टॉप के साथ ऐसे करें स्टाइल, लगेंगी खूबसूरत

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए महिलाएं कई तरह के कपड़े पहनती हैं। इनमें से शॉल एक बेहतरीन विकल्प है। यह न केवल आपको गर्म रखता है, बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाता है। जींस और टॉप के साथ शॉल पहनने का तरीका जानना जरूरी है ताकि आप हर मौके पर सही लुक पा सकें। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी सुझाव देंगे, जिससे आप जींस और टॉप के साथ शॉल को अच्छे से पहन सकें।

एक ही रंग की जींस और टॉप पहनें

जब आप शॉल को जींस और टॉप के साथ पहनें तो एक ही रंग की जींस और टॉप चुनें। इससे आपका लुक बहुत ही सादा और आकर्षक लगेगा। उदाहरण के लिए अगर आपकी जींस नीली है तो नीले रंग का टॉप भी चुनें। इससे आपका लुक एकसार दिखेगा और आप ज्यादा फैशनेबल लगेंगी। इसके अलावा एक ही रंग के कपड़ों से आपका लुक ज्यादा मनोहर लगेगा और आप आरामदायक भी महसूस करेंगी।

हल्के रंग की शॉल चुनें

हल्के रंग की शॉल सर्दियों में खासतौर पर आकर्षक होती हैं क्योंकि ये न केवल आपको गर्म रखती हैं, बल्कि आपके पूरे लुक को भी निखारती हैं। सफेद, हल्का गुलाबी या हल्का नीला जैसे रंग आपकी जींस और टॉप के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। इन रंगों से न केवल आप स्टाइलिश दिखेंगी बल्कि ठंड से भी बच सकेंगी। हल्के रंगों की शॉल पहनकर आप हर मौके पर खास दिख सकती हैं।

शॉल को अलग-अलग तरीके से बांधें

शॉल को बांधने के कई तरीके होते हैं, जिन्हें आप अपने स्टाइल के हिसाब से चुन सकती हैं। उदाहरण के लिए, आप इसे कंधे पर डाल सकती हैं या इसे गर्दन के चारों ओर लपेट सकती हैं। इससे आपका लुक अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग लगेगा और आप हर बार नई तरह से स्टाइल कर सकेंगी। इसके अलावा आप इसे बेल्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

गहनों का ध्यान रखें

गहने आपके लुक को पूरा करते हैं इसलिए इन्हें नजरअंदाज न करें। अगर आपकी शॉल हल्की होती है तो आप बड़े झुमके या चेन पहन सकती हैं, वहीं भारी शॉल के साथ साधारण गहने बेहतर दिखेंगे। इसके अलावा आप कमरबंद या बैग का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। सही गहनों के साथ आपकी शॉल और जींस-टॉप का मेल और भी खूबसूरत बनेगा, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश दिखेंगी।

जूतों पर ध्यान दें

जूते भी आपके पूरे लुक में अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए इन्हें सही तरीके से चुनें। अगर आप ठंड से बचना चाहती हैं तो बूट्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं क्योंकि ये न केवल गर्म रखते हैं बल्कि स्टाइलिश भी लगते हैं, वहीं अगर आप आरामदायक रहना चाहती हैं तो फ्लैट्स या स्नीकर्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप आसानी से जींस और टॉप के साथ शॉल को स्टाइल कर सकती हैं।

प्रियंका मोहन 666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर में शामिल हुईं

अपनी शानदार और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली प्रियंका अरुल मोहन ने स्पाई ड्रामा 666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर में एंट्री की है। सप्त सागरदाचे एलो फेम हेमंत एम राव इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट कर रहे हैं। धनंजय लीड रोल निभा रहे हैं, जबकि शिवराज कुमार एक एक्सटेंडेड कैमियो कर रहे हैं। शिव राजकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका मोहन का रिवील पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मिशन 666ऑपरेशनड्रीमथिएटर में आपका स्वागत है। हेमंत ने प्रियंका का टीम में स्वागत करते हुए लिखा, मुझे बहुत खुशी है कि सुपर वंडरफुल प्रियंका मोहन 666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर से जुड़ रही हैं. प्रियंका ने डॉक्टर, कैप्टन मिलर, सरिपोधा सनिवावरम और दे कॉल मी ओजी जैसी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। प्रियंका ने अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा, मैं शिवा राजकुमार सर की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। 666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। अविश्वसनीय रूप से टैलेंटेड धनंजय के साथ काम करना और ऐसी शानदार कास्ट का हिस्सा बनना, जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। मैंने हेमंत एम राव के साथ काम करने के बारे में सोचा था, सोचा नहीं था कि यह इतनी जल्दी होगा। चरण राज और अद्वैत गुरुमूर्ति म्यूजिक और सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं।

अब फिल्मों को चिल्लाने की जरूरत नहीं, दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं: वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता। अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे बताया कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है।

वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

ज्यादा खाने से बढ़ गया वजन नए साल से पहले इस तरह करें कम

क्रिसमस पर लोग दिल खोलकर जश्न मनाते हैं और अपनी पसंद का खाना खाते हैं। इसके चलते वजन बढ़ना तो लाजमी है, जो सेहत पर बुरा असर डालता है। ऐसे में नए साल में कदम रखने से पहले आपको इस अतिरिक्त वजन को कम करने की पूरी कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए हम आपको 5 कारगर टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप पहले से ज्यादा स्वस्थ और पतले हो जाएंगे।

हाइड्रेटेड रहें और कैलोरी जलाने वाले पेय पिएं

क्रिसमस के दौरान ज्यादा नमकीन भोजन करने से वाटर रिटेंशन की समस्या हो जाती है। इससे वजन बढ़ जाता है या शरीर में सूजन आ जाती है। इसे घटाने के लिए आपको ढेर सारा पानी पीना चाहिए। इससे भूख भी कम हो जाएगी और शरीर से अतिरिक्त नमक भी निकल जाएगा। इसके अलावा आपको रोजाना सुबह-शाम चाय या कॉफी की जगह कोई हर्बल पेय पीना चाहिए। ये वसा को जलाने में मदद करेंगे और पाचन को भी दुरुस्त कर देंगे।

अस्वास्थ्यकर भोजन से परहेज करें

क्रिसमस पर लोग जी भर के मिठाइयां, स्नैक्स और ज्यादा कैलोरी वाले व्यंजनों का आनंद लेते हैं। हालांकि, बाद में यही चीजें वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बन जाती हैं। ऐसे में जश्न के बाद आपको अपने पेट को आराम देना चाहिए और अस्वास्थ्यकर भोजन से दूरी बना लेनी चाहिए। तैलीय भोजन, पैकेट वाले स्नैक्स, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ, पेय, जंक फूड और बाहर के खाने का सेवन बंद कर दें। इनकी जगह पर घर का बना हल्का खाना खाएं।

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर खाना खाएं

वजन घटाने के लिए पौष्टिक डाइट लेना सबसे जरूरी होता है, जिसमें जरूरी पोषक तत्व मौजूद हों। आपको अपने खान-पान में प्रोटीन और फाइबर की मात्रा बढ़ानी होगी। ये दोनों तत्व पेट को देर तक भरा रखते हैं, जिससे ज्यादा खाने की संभावना कम हो जाती है। प्रोटीन ऊर्जा देता है और कैलोरी जलाने की प्रक्रिया को तेज कर देता है। वहीं, फाइबर पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करके पेट को साफ करता है।

एक्सरसाइज करना न भूलें

वजन घटाना तभी संभव हो पाएगा जब आप कोई शारीरिक गतिविधि करेंगे। एक्सरसाइज करने से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होने लगेगी और आप फिट भी महसूस करेंगे। रोजाना सुबह 30 मिनट तक दौड़ लगाएं और योग करें। शाम के वक्त घर पर ही कार्डिओ एक्सरसाइज कर लें या जिम जा कर वेट ट्रेनिंग करें। अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं रहता तो सीढ़ियां चढ़ें-उतरें और घर के काम करें।

मीठे से दूरी बना लें

अगर आपने क्रिसमस पर पल्म केक ज्यादा खा लिया है तो अब मीठे से परहेज करें। मीठे व्यंजनों में ज्यादा कैलोरी होती हैं और न के बराबर पोषण होता है। ज्यादा मीठा खाने से ब्लड शुगर के स्तर में अचानक वृद्धि आ सकती है, जिससे मधुमेह होने का भी खतरा रहता है। चीनी लेप्टिन नामक होर्मोन को बाधित कर देती है, जो पेट भरने का संकेत देता है। इसके परिणामस्वरूप लोग ज्यादा खा लेते हैं और वजन नहीं घटा पाते।

प्रभास की 'द राजा साब' से सामने आया मालविका मोहनन का फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साब' काफी वक्त से चर्चाओं में बनी हुई है। हालांकि, 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली फिल्म अब 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब दर्शकों का उत्साह और बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म से मालविका मोहनन का फर्स्ट पोस्टर जारी किया है। पहला पोस्टर जारी करते ही मेकर्स ने मालविका के किरदार से भी पर्दा हटाया है। इस पोस्टर में मालविका मोहनन को भैरवी के किरदार में दिखाया गया है। पोस्टर में मालविका काली साड़ी में नजर आ रही हैं। आंखों पर काला चश्मा लगाए और हाथों में ब्लैक कलर की पर्स पकड़े मालविका काफी स्टाइलिश और स्वैग में नजर आ रही हैं। इसको शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में भैरवी लिखकर फायर इमोजी बनाए हैं। साथ में लिखा है, 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।'

रिलीज से पहले अब मेकर्स फिल्म के प्रमोशन में जुट गए हैं और फिल्म का बज बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म का उतना शोर अभी नहीं सुनाई दे रहा है, जितना आमतौर पर प्रभास की फिल्मों का होता है। इसलिए अब मेकर्स लगातार नए-नए अपडेट के साथ फिल्म को चर्चा में लाने के प्रयास में जुटे हैं। 'द राजा साब' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसे अब तक की सबसे बड़े स्तर पर बनने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म बताया जा रहा है। मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित 'द राजा साब' में प्रभास के साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 9 जनवरी 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

शब्द सामर्थ्य -272

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. [redacted] 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी [redacted] उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर [redacted] हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पांचवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 271 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

सू- दोकू क्र.272

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.271 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

जिले में कांग्रेस ने मनाया स्थापना दिवस

कोरिया बैकुण्ठपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने 140वें गौरवशाली स्थापना दिवस के अवसर पर लोकतंत्र, संविधान और जनहित के मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया।

जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कांग्रेस की स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त कांग्रेसजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं और यह संकल्प लिया गया कि लोकतंत्र, संविधान और जनहित के मूल्यों के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता हमेशा अटूट रहेगी। केंद्र की मोदी सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आज देश का संविधान और लोकतंत्र गंभीर खतरे में है तथा संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में जनता के अधिकार छीने जा रहे हैं और जल, जंगल, जमीन पर संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हसदेव के जंगलों की कटाई और अरावली पर्वतमाला के दोहन से पर्यावरण और आदिवासी जीवनशैली पर गहरा आघात पहुंच रहा है। कांग्रेस वक्ताओं ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने वर्ष 1931 में मौलिक अधिकारों का जो प्रारूप प्रस्तुत किया था, वही आगे चलकर भारतीय संविधान का अभिन्न हिस्सा बना। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में आरटीआई, आरटीई, खाद्य सुरक्षा, मनरेगा, वन अधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण जैसे ऐतिहासिक कानून बने, जिनकी सराहना देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने की। इस अवसर पर राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कांग्रेस की विचारधारा, आज़ादी के आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक पार्टी के योगदान पर प्रकाश डाला गया। वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की आज़ादी, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की मजबूत विचारधारा है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा में सदैव अग्रणी रही है और आगे भी संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, प्रदेश संयुक्त महामंत्री वेदांती तिवारी, महामंत्री बृजवासी तिवारी, वरिष्ठ मुख्तार अहमद, बंशगोपाल, संगीता राजवाड़े, चांदनी सोनी, राजीव गुप्ता, भूपेन्द्र यादव, चंद्र प्रकाश राजवाड़े, शैलेंद्र सिंह, विकाश श्रीवास्तव, सुरेंद्र तिवारी, रवि राजवाड़े, धीरज सिंह, जाग्रीत कुर्रे, रियाजउद्दीन, एस एन मोदी, वसीम अधिवक्ता, फरोग़ सिदकी, वसीम, मोहेलाल राजवाड़े, रामसाय सोरी, बसंत सिंह, सुरेंद्र कुमार, मनीष सिंह, लवी गुप्ता, अर्पित गुप्ता, फैजान, मकबूल खान, सुनील चौधरी एवं अनेकों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नाबालिग युवती की गुमशुदगी को लेकर जताया आक्रोश

बलरामपुर। रामानुजगंज-रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम लोधा की खैरवार समाज की एक नाबालिग युवती 23 दिसंबर की रात से घर से लापता है। घटना को छह दिन बीत जाने के बाद भी युवती का कोई सुराग नहीं लग पाने से खैरवार समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। युवती की गुमशुदगी को लेकर खैरवार समाज के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं लापता युवती के परिजन रामचंद्रपुर थाना पहुंचे और पुलिस प्रशासन से शीघ्र पता लगाने की मांग की। थाना परिसर में समाज के लोगों की मौजूदगी के दौरान घटना को लेकर गहरी चिंता और नाराजगी देखने को मिली। खैरवार समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष मुद्रिका सिंह ने कहा कि समाज में पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। लगातार ऐसी घटनाओं का होना अत्यंत चिंताजनक है और इन पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले में त्वरित व ठोस कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर खैरवार समाज के प्रदेश महामंत्री बबला नंद सिंह, रमाशंकर सिंह, मुद्रिका सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं लापता युवती के परिजन उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पुलिस प्रशासन से युवती की जल्द से जल्द खोजबीन कर सुरक्षित बरामदगी की मांग की। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं रामचंद्रपुर थाना प्रभारी मनोज नवरंगे ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और युवती की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

अवैध धान कारोबार का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर-रामानुजगंज। थाना सनावल पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में अवैध धान परिवहन, संग्रहण एवं धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 26 दिसंबर की शाम लगभग 8 बजे अवैध रूप से धान ले जा रहे एक पिकअप वाहन को पकड़कर पूछताछ की गई। वाहन चालक के बताए अनुसार कुर्लुडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के घर दबिश दी गई, जहाँ से लगभग 400 बोरी अवैध धान बरामद किया गया। तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में कूटरचित दस्तावेज, चेक बुक, किसान किताबें, बैंक पासबुक, भरे हुए व कोरे विड्रॉल फॉर्म, तौल पर्ची, डायरी तथा नकद राशि 1,67,100 बरामद की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी दूसरे राज्य से सस्ते दामों पर धान लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में विभिन्न किसानों के खातों से विक्रय करते थे। पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि किसानों से पहले ही अंगूठा निशान लेकर अवैध रूप से राशि का आहरण किया जाता था, जिससे किसानों एवं शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाई जा रही थी। इस मामले में श्याम सुन्दर गुप्ता एवं उसके भाई शिवम गुप्ता की संलिप्तता पाई गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 82/2025 धारा 3,7 आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की विवेचना जारी है।

सूर्य प्रकाश मेमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट 2025 का खिताब चिनियाँ ने जीता

रामानुजगंज। चिनियाँ खेल मैदान में आयोजित सूर्य प्रकाश मेमोरियल जनपद स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया। फाइनल मैच पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा रामविचार नेताम की गरिमामयी उपस्थिति में चिनियाँ एवं तेतरडीह टीम के बीच हुआ, जिसमें चिनियाँ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तेतरडीह को 3-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। तेतरडीह की टीम उपविजेता रही। फाइनल मुकाबले के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता अनूप तिवारी, कन्हैयालाल अग्रवाल, भानु प्रकाश दीक्षित, भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष तारावती सिंह, जिला पंचायत सभापति मुंशी राम सांडिल्य, बद्री यादव, जनपद अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह, उपाध्यक्ष सुनील तिवारी, जनपद सदस्य राजकुमार यादव, अशरफी यादव, विधायक प्रतिनिधि अनोज यादव, वरिष्ठ भाजपा युवा मोर्चा के नेता पवन कश्यप लड्डू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री रामविचार नेताम द्वारा अपने दिवंगत पुत्र स्वर्गीय सूर्य प्रकाश नेताम की स्मृति में प्रतिवर्ष क्षेत्र में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष सूर्य प्रकाश मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का आयोजन जनपद स्तर पर किया गया। फाइनल मैच में चिनियाँ की टीम ने घरेलू मैदान का भरपूर लाभ उठाते हुए तेतरडीह टीम को 3-1 से हराकर विजय प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पुष्पा रामविचार नेताम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेताम परिवार सदैव क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगा। खेल न केवल शारीरिक विकास बल्कि मानसिक, सामाजिक विकास एवं सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम जिला, प्रदेश एवं देश स्तर पर रोशन करने का आह्वान किया। इस टूर्नामेंट में जनपद भर से कुल 44 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए धमनी, आरागाही, आबादी एवं चिनियाँ चार खेल मैदानों का चयन किया गया था, जबकि समापन चिनियाँ खेल मैदान में हुआ। टूर्नामेंट में विजेता टीम चिनियाँ को 41,000 नगद पुरस्कार तथा उपविजेता टीम तेतरडीह को 25,000 नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी 44 टीमों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में ड्रेस किट वितरित की गई। आयोजन समिति में अध्यक्ष अमावस सिंह, सुनील सिंह, रामविचार सिंह, वीरेंद्र सिंह मरकाम, मंगल सिंह एवं राम प्रवेश सिंह सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अटल स्मृति संगोष्ठी में वक्ताओं ने कई पहलुओं पर की बात

एमसीबी। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के निर्देशानुसार भारत रत्न, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती के अवसर पर आयोजित अटल स्मृति संगोष्ठी सम्मेलन मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक भवन खड़गवां में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि भारत का उत्थान, देश और देश के किसान सदैव श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी की प्राथमिकता में रहे। उन्होंने बताया कि अटल स्मृति संगोष्ठियां आज पूरे देश में आयोजित की जा रही हैं, जो उनके विचारों की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाती हैं। मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में अखंड भारत के निर्माण में योगदान देने वाले उन महापुरुषों को भी स्मरण किया, जिनकी भूमिका के कारण आज देश विकसित भारत2047 का स्वप्न साकार करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने उन निर्णयों पर भी प्रहार किया, जो देश को 19 माह के आपातकाल की दर्दनाक स्मृतियों की याद दिलाते हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के गठन और पाक अधिकृत कश्मीर के दर्द पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र निर्माण के लिए कार्यकर्ताओं को जोड़ने वाली पार्टी है और पार्टी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी बने। उन्होंने अटल के प्रसिद्ध कथन अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यह कथन सत्य सिद्ध हुआ है और देश के लगभग 75 प्रतिशत राज्यों में कमल खिल चुका है, जो अटल जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा राम राज्य की कल्पना को साकार करने के लिए कार्य कर रही है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के सिद्धांतों और अडिग विचारधारा का उल्लेख करते हुए जायसवाल ने कहा कि मात्र 13 माह की सरकार इसलिए गिर गई क्योंकि अटल किसी भी प्रकार का समझौता करने को तैयार नहीं थे। यही उनकी अटलता, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल एवं महापौर नगर निगम चिरमिरी रामनरेश राय ने भी श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा के प्रदेश व जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष व सदस्य, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। अंत में सभी ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के आदर्शों पर चलने एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

पेंगुलिन शल्क तस्करी का भंडाफोड़, कुसमी वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

बलरामपुर। बलरामपुर वन मंडल के अंतर्गत कुसमी वन विभाग को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिली है। 27 दिसंबर को वन विभाग एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने पेंगुलिन शल्क (कहट) की तस्करी में संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वन मंडलाधिकारी बलरामपुर के निर्देशन एवं अनुविभागीय वन अधिकारी कुसमी के मार्गदर्शन में जशपुर, बलरामपुर एवं कुसमी की संयुक्त टीम का गठन किया गया था। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर जशपुर रोड स्थित बाबा चौक के पास बताए गए हुलिए के अनुसार दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में उनकी पहचान प्रभु सोनवानी पिता स्व. रामखेलावन सोनवानी, निवासी बनौरा थाना बलरामपुर तथा निखिल सरकार पिता बीटू भूषण, उम्र 60 वर्ष, निवासी संतोषी नगर जिला बलरामपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान निखिल सरकार के बैग से दो पॉलीथिन में पेंगुलिन शल्क बरामद किया गया। जब उनसे वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। मौके पर वीडियो ग्राफी एवं जीपीएस रीडिंग कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। पूछताछ में आरोपियों ने इस अवैध कारोबार में शामिल दो अन्य व्यक्तियों—विजय पिता बासुदेव एवं बसंत पिता जमुना के नाम उजागर किए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने बताया कि यह शल्क झारखंड के भंडरिया जंगल से प्राप्त किया गया था और इसे एक लाख रुपये में बेचने की योजना थी।चारों आरोपियों के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 44, 49, 49(बी) एवं 51 के तहत प्रकरण दर्ज कर पहले राजपुर एवं तत्पश्चात रामानुजगंज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

129वीं कड़ी का श्रवण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 129वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक प्रमोद मिंज एवं विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष के अंतिम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने, देश में निर्मित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन से बचने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्र को मार्गदर्शन दिया।

युवा मोर्चा प्रदेश के आह्वान पर फूंका सनातन विरोधी भूपेश बघेल एवं टी एस बाबा का पुतला

बलरामपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं सनातन विरोधी भूपेश बघेल का आज प्रदेश भर में पुतला दहन किया। कांग्रेस पार्टी के नेता हमेशा सनातन धर्म और साधु-संतो का अपमान करते रहे हैं। इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष मंगलम पांडेय ने कहा कि सनातन धर्म का विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कई कांग्रेसी नेताओं ने किया है। भूपेश बघेल अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा एवं पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध कर रहे है इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को इनका विरोध करने का स्क्रीप्ट किसी ने दिया हो। उन्होंने कहा कि रामसेतु की जब बात आई तब कांग्रेसियों ने कहा कि यह काल्पनिक है, भगवान राम को कांग्रेसियों ने काल्पनिक कहा। राम मंदिर बनने और आमंत्रण मिलने के बाद भी गांधी-परिवार दर्शन करने नहीं गया। कांग्रेस नेताओं ने हमारे मान-बिंदुओं को लगातार अपमानित किया है, हमारे साधु-संतों का अपमान किया हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रवचन सुनने और शिव-भक्ति के लिए गाँव-गाँव, गली-गली में आबाल-वृद्ध नर-नारी उमड़ पड़े हैं। हमें गर्व है कि धीरेंद्र शास्त्री भगवान बागेश्वर धाम की महिमा बता रहे हैं। उन्होंने सनातन को जागृत करने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें संरक्षण देने वाले को सनातन धर्म एवं हमारे साधु-संतो पर बोलने का अधिकार नही है और यही कांग्रेस पार्टी जो लगातार सनातन का विरोध करती है वे अब कुछ राज्यों तक ही सीमित हो गए है और आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी कहीं नहीं होगी। इस दौरान भाजपा बलरामपुर मंडल अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, जगनारायण सिंह,नन्दकिशोर गुप्ता, प्रमथ मलिक,विकास यादव,विक्रम गुप्ता, अमित सिंह,कृष्णा गुप्ता, अमन पांडेय,अभय गुप्ता,मुलायम सिंह,मनोज यादव,पुनीत गुप्ता एवं सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा का आह्वान

कोरिया बैकुंठपुर। भारत प्राचीन काल से ही विश्व कल्याण और सर्वजन सुखाय की भावना पर आधारित एक ऐसी भूमि मानी जाती है, जहाँ सनातन धर्म केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवन शैली और मानवीय मूल्यों का आधार रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम्' जैसे विचारों के माध्यम से सनातन परंपरा ने हमेशा समूचे विश्व को एक परिवार के रूप में स्वीकार किया है। लेकिन इतिहास के उतार-चढ़ाव में यह संस्कृति कई बार गंभीर चुनौतियों से गुज़री है।

सन 1192 से प्रारंभ हुए बाहरी आक्रमणों, सत्ता संघर्षों और औपनिवेशिक दबावों ने न केवल राजनीतिक रूप से भारत को प्रभावित किया, बल्कि धर्म, संस्कृति और परंपराओं को भी गहरी चोट पहुँचाई। अनेक विद्वानों और इतिहासकारों के अनुसार, उस दौर में सनातन संस्कृति से जुड़े साधु, संत, तपस्वी और आम नागरिक लाखों की संख्या में अपने धरोहर और परंपरा की रक्षा के लिए जंगलों, पहाड़ों और दूरस्थ क्षेत्रों में चले गए। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में रहकर भी अपनी संस्कृति के मूल तत्व— संस्कृत भाषा, वेद-वेदांत, योग, आयुर्वेद, संगीत, दर्शन और कर्मयोग —को संरक्षित रखा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान और जड़ों से जुड़ी रहें।

आज स्वाधीनता के 75 से अधिक वर्ष बाद भी, देश के अनेक बुद्धिजीवियों का मानना है कि धन, बल, बुद्धि और आधुनिक षड्यंत्रपूर्ण रणनीतियों के माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों को कमजोर करने की कोशिशें जारी हैं। तेजी से बदलते सामाजिक ढांचे में धर्म और संस्कृति से जुड़े प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। ऐसे समय में राष्ट्र और समाज की एकता, बुनियादी मूल्य और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए व्यापक जनभागीदारी की आवश्यकता महसूस की जा रही है। समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है कि राष्ट्र की मजबूती केवल सीमा सुरक्षा से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और नैतिक चेतना से भी होती है। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक यह आह्वान अब तेज हो रहा है कि हर भारतीय को तन, मन, धन, बुद्धि और विवेक के साथ राष्ट्रहित में योगदान देना चाहिए। यह योगदान केवल युद्धभूमि या राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा, सेवा, अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक संवर्धन जैसे अनेक क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। गौ-संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, भारतीय भाषाओं और परंपराओं का विकास, परिवार और समाज में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना तथा राष्ट्र की अखंडता की रक्षा आज समय की मांग के रूप में उभरकर सामने आ रहे हैं।

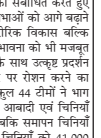

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी क्षमता और जिम्मेदारी के अनुसार राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करे तो भारत पुनः विश्व में ज्ञान, शांति और संस्कृति का प्रकाशस्तंभ बन सकता है। बनस्थली कैलाशपुर क्षेत्र में भी सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों द्वारा इसी भावना के साथ जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। यहाँ के नागरिकों ने एक स्वर में राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित होने का संकल्प व्यक्त किया। उनका संदेश स्पष्ट है— 'राष्ट्र सर्वोपरि है, और राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करना ही आज की आवश्यकता है।' अंत में, इस आह्वान के साथ भावनाएँ एक सूत्र में बंधती हैं।

चिरमिरी-नागपुर रेलवे लाइन परियोजना में भू-स्वामियों को राहत

एमसीबी। रेल अधिनियम 1989 के अंतर्गत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज रेलवे लाइन परियोजना हेतु अधिग्रहित की जा रही भूमि के मामलों में प्रभावित भू-स्वामियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। शासन द्वारा जारी नवीन मार्गदर्शिका उपबंध 2025-26 एवं अद्यतन बाजार मूल्य के आधार पर प्राथमिक प्रतिकर की राशि का पुनः परीक्षण कर उसे संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में भूमि के बाजार मूल्य के साथ-साथ संरचनाओं, परिसंपत्तियों एवं अन्य वैधानिक मदों को ध्यान में रखते हुए नई गणना की गई है, जो संबंधित सभी हितग्राहियों पर लागू होगी। नवीन मार्गदर्शिका लागू होने के पश्चात उपतहसील नागपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत चिरईपानी, सरोला, बंजी, खैरबना एवं सरभोका ग्रामों में अधिग्रहित भूमि के प्रतिकर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पुराने मार्गदर्शिका 2019-20 एवं तत्कालीन बाजार मूल्य के आधार पर जहां कुल प्राथमिक प्रतिकर राशि 6 करोड़ 1 लाख 56 हजार 713 रुपये आंकी गई थी, वहीं नवीन मार्गदर्शिका 2025-26 एवं वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार यह राशि बढ़कर 9 करोड़ 37 लाख 50 हजार 677 रुपये हो गई है। इस प्रकार कुल 3 करोड़ 35 लाख 93 हजार 964 रुपये की वृद्धि हुई है, जिससे बड़ी संख्या में प्रभावित किसानों एवं भू-स्वामियों को सीधा लाभ मिलेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह संशोधित प्राथमिक प्रतिकर गणना अनंतिम है तथा दावा एवं आपत्तियों पर सुनवाई के पश्चात इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू-अर्जन) श्री अनिल कुमार सिदार के आदेशानुसार यह कदम शासन की नवीन नीति एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अनुरूप उठाया गया है।

रेडक्रॉस सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचेंगी, युवाओं को जोड़ा जाएगा

सूरजपुर। कलेक्टर एवं चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी सूरजपुर एस. जयवर्धन के नेतृत्व में तथा रेडक्रॉस सोसायटी सूरजपुर के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल की उपस्थिति में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रेडक्रॉस की सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं उनका विस्तार गांव-गांव तक करने पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर जयवर्धन ने कहा कि जिला प्रशासन रेडक्रॉस की सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जिले के सभी सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों में यूथ रेडक्रॉस का गठन, पंजीकरण एवं सदस्यता अभियान तेज किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्राइमरी से हाईस्कूल स्तर तक जूनियर रेडक्रॉस यूनिट्स बनाई जाएंगी। सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में फर्स्ट-एड बॉक्स उपलब्ध कराए जाएंगे तथा हेल्पलाइन नंबर दीवारों पर चस्पा किए जाएंगे, ताकि दुर्घटना या आपात स्थिति में छात्र-शिक्षक तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें। साथ ही बृहद स्तर पर सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित कर हजारों युवाओं को ट्रेंड लाइफसेवर्स बनाया जाएगा। सीएसआर फंडिंग एवं जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के सहयोग से नवीन लाइफ-सपोर्ट आईसीयू (वेंटिलेटर) एंबुलेंस, 21-सीटर बड़ी एंबुलेंस तथा 2-सीटर मोबाइल ब्लड कलेक्शन यूनिट प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इससे दूरदराज क्षेत्रों के गंभीर मरीजों को त्वरित एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि बाढ़, भारी बारिश, ओलावृष्टि एवं जलभराव जैसी आपदाओं के दौरान रेडक्रॉस द्वारा राहत सामग्री, प्राथमिक उपचार, एंबुलेंस एवं वॉलंटियर्स की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। रेडक्रॉस एवं जीवनदीप समिति की सभी एंबुलेंसों पर शुल्क सूची चिपकाई जाएगी तथा सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित की जाएगी। कैशलेस भुगतान व्यवस्था भी प्रारंभ की जाएगी। जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय आवासीय मेगा हेल्थ कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बैठक में वार्षिक बजट, आय-व्यय विवरण एवं ऑडिट पर गहन चर्चा कर सभी प्रस्ताव पारित किए गए। सदस्यता बढ़ाकर वॉलंटियर नेटवर्क को सशक्त बनाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस प्रबंध समिति की कार्यकारिणी बैठक में संयुक्त कलेक्टर पुष्पेन्द्र शर्मा, वाइस चेयरमैन ओंकार पांडेय सहित अन्य सदस्य, जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नए साल की रात पर सख्ती: रायपुर में नशेड़ी ड्राइविंग पर गाड़ी जब्त, आयोजक भी होंगे जिम्मेदार

रायपुर। 31 दिसंबर की रात नए साल के जश्न को लेकर रायपुर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेगी। शहरभर में होने वाले कार्यक्रमों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस का साफ कहना है कि नशे में वाहन चलाने वालों और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नशे की हालत में कार या दुपहिया चलाते पाए जाने पर वाहन जब्त किया जाएगा।

इस बार पुलिस ने केवल नशेड़ियों पर ही नहीं, बल्कि उन्हें शराब पिलाने वाले कार्यक्रम आयोजकों पर भी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। होटल, रेस्टोरेंट और फार्म हाउस संचालकों से बड़े आयोजनों की पूरी जानकारी मांगी गई है। बिना अनुमति किसी भी तरह के आयोजन की इजाजत नहीं होगी और बिना लाइसेंस शराब परोसने पर कार्रवाई तय है। यदि अनुमति लेकर शराब परोसी जाती है, तो आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी मेहमान नशे में सड़क पर वाहन न चलाए। ऐसे मेहमानों को सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए ड्राइवर या वाहन की व्यवस्था आयोजकों को ही करनी होगी। इधर, नए साल से पहले पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर भी शिकंजा कसना तेज कर दिया है। अमलीडीह क्षेत्र के वरण अपार्टमेंट में छापा मारकर एक नाबालिग बालिका समेत पांच आरोपियों को पकड़ा गया था।

इसके बाद ड्रग्स तस्करी से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों का संबंध इवेंट मैनेजमेंट से भी बताया जा रहा है और इनका नेटवर्क नागपुर व बिहार तक फैला हुआ है। ड्रग डिलीवरी के मामले में नागपुर से रायपुर आए एक आरोपी की भी गिरफ्तारी की जा चुकी है।

अघोर वचन शास्त्र : माला-6 में अघोरेश्वर का आध्यात्मिक संदेश

कोरिया बैकुंठपुर। 'ऊँ माँ गुरु की जय' के जयघोष के साथ अघोर पंथ के साधकों के बीच 'अघोर वचन शास्त्र माला-6' के वचनों का पाठ हाल ही में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। अघोरेश्वर द्वारा कहे गए इन वचनों में साधक को आध्यात्मिक उन्नति का सरल, स्पष्ट और यथार्थ मार्ग दिखाया गया है। माला-6 के वचन क्रमांक 41 से 45 में अंतर्मन, साधना, सत्संग और साधक के जीवन-संस्कारों से जुड़ी विशेष शिक्षाएँ सामने आती हैं, जिन्हें साधकों द्वारा आत्म-विकास और आचरण के मापदंड के रूप में ग्रहण किया जा रहा है।

सबसे पहले वचन 41 में अघोरेश्वर चित्त की पवित्रता को साधना का मूल आधार बताते हैं। उनका कहना है कि जिसका चित्त 'अकल्पित और उचित्त' होता है, वह आकाश की तरह विस्तृत, स्थिर और निर्भय बन जाता है। इसके विपरीत अस्थिर, द्वंद्वग्रस्त और संदेहपूर्ण चित्त भय, भ्रम और मानसिक अशांति की ओर ले जाता है, जो साधना मार्ग में अनेक बाधाएँ उत्पन्न करता है। अघोरेश्वर यही कारण बताते हैं कि औघड़ साधु चित्ताकाश में विहंगम गति से विचरण कर पाते हैं—क्योंकि उनका चित्त आकाश की तरह निर्मल और व्यापक होता है। वचन 42 में औघड़ों की दुर्लभता का उल्लेख है। अघोरेश्वर कहते हैं कि सच्चे औघड़ साधु बहुत कम संख्या में अवतरित होते हैं, मानो किसी महान वंश के दुर्लभ उत्तराधिकारी की भाँति। उनका प्राकट्य किसी विशिष्ट भूभाग पर समय-समय पर होता रहता है। यही कारण है कि औघड़ों की वास्तविक उपस्थिति साधकों में उत्साह और प्रेरणा का स्रोत बनती है। वचन 43 औघड़ की पहचान पर केंद्रित है। अघोरेश्वर स्पष्ट करते हैं कि जो साधु सत्संग करता है, सज्जनों का संग रखता है, साधु सभा में बैठता है और अघोरेश्वर के मापदंड पर चलता है—उसी में औघड़त्व की योग्यता जन्म लेती है। वे यह भी स्पष्ट करते हैं कि औघड़ मार्ग जादू-टोना, तंत्र-मंत्र की अंधविश्वासी धाराओं से परे है। यह विचारधारा आत्मिक पवित्रता, सत्य और साधना पर आधारित है, जिसे बुद्ध की करुणा-प्रधान विचारधारा से भी जोड़ा जा सकता है। वचन 44 में मंत्र-साधना को अनुशासन और पुरुषार्थ से जोड़ते हुए अघोरेश्वर बताते हैं कि श्रद्धा, वीर्य, बल और उद्योग के बिना मंत्र-साधना फलित नहीं होती। वे यह आश्वासन भी देते हैं कि यदि साधक एक वर्ष तक अघोरेश्वर के उपदेशों का पालन कर साधना करे, तो वह वही सिद्धि प्राप्त कर सकता है, जो सामान्यतः पन्द्रह वर्षों में मिलती है। माला-6 के वचन 45 में औघड़ साधकों के जीवन-संकल्प का उल्लेख है। अघोरेश्वर बताते हैं कि सच्चे औघड़ आहार न मिलने पर भी सम्मान और मर्यादा को नहीं छोड़ते तथा अपत्नी गुफाओं में समाधिस्थ रहकर साधना जारी रखते हैं। समाज में ऐसे साधकों की दृढ़ता, संयम और समर्पण आज भी प्रेरणा का कारण बनती है। अघोर पंथ के विद्वानों का मानना है कि ये वचन केवल साधना-पथ नहीं दिखाते, बल्कि मन, चरित्र और जीवन को संतुलित करने का दर्पण भी प्रस्तुत करते हैं—जहाँ भय का नाश, चित्त की शुद्धि और साधना की ऊर्जा मनुष्य को अध्यात्म के उच्च शिखर तक पहुँचाती है।

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

स्टील दुकान स्वाहा हुई आगजनी में

दुकान संचालक का दावा- एक करोड़ का नुकसान, आसपास की दुकानें बचाई गई

कोरबा। वर्ष 2025 की विदाई से चार दिन पहले कोरबा शहर में आगजनी की बड़ी घटना हुई। पीएच रोड के एक कामर्शियल काम्प्लेक्स स्थित स्टील दुकान आग की लपटों में घिरकर स्वाहा हो गई। आग का फैलाव आसपास में होता, इससे पहले दमकलों और आसपास के लोगों के संयुक्त प्रयासों से उसे रोक दिया गया। जो दुकान जली है उसके संचालक ने घटना में लगभग एक करोड़ नुकसान होने का दावा किया है। घटना को लेकर शार्टसर्किट होने का अनुमान है।

पीएच रोड के व्यावसायिक परिसर एसएस प्लाजा में सोमवार सुबह भीषण आग लगने की घटना हुई। आग लगने के बाद देखते ही देखते धुआं पूरे प्लाजा परिसर में फैल गया। मार्निंग वॉक करने वाले और अन्य लोगों ने इस दृश्य को देखा तो यहां-वहां सूचना दी। कुछ देर में लोगों की भीड़ भी जुटी और पुलिस की टीम पहुंची। सबसे पहले डीएसपीएम की दमकल ने यहां पहुंचकर आगजनी को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बताया गया कि आग की लपटों ने सबसे पहले बालाजी स्टील के उपरी हिस्से को निशाने पर लिया। मौके पर स्टील, क्रॉकरी और फाइबर के सामान की बड़ी खेप मौजूद थी। खबर के अनुसार दुकान के भीतर लगे स्वीच बोर्ड के वायरों में शॉटसर्किट होने से आग लगी और फिर उसने कुछ ही देर में सामानों को चपेट में लेते हुए दावानल का रूप ले लिया। आग के प्रभाव में ज्वेलरी और अन्य दुकानें आ सकती थीं, इस आशंका को देखते हुए आनन-फानन में संचालकों ने सामान समेटने में साहस दिखाया। कुछ देर में दूसरे संयंत्रों की दमकलें यहां पहुंचीं और आग पर काबू पाया, लेकिन इस समय तक बालाजी स्टील एम्पोरियम नामक दुकान का अधिकांश हिस्सा भस्मीभूमि हो

चुका था। दमकलों की अंतिम कोशिश तक यहां ऐसा कुछ नहीं था जिसे बचाया जा सके। सामान्य तौर पर अग्नि दुर्घटनाएं गर्मी के मौसम में ज्यादा होती हैं। ठंड के मौसम में इसकी संभावनाएं नगण्य होती है। कोरबा में जो कुछ हुआ उसने एक बार फिर लोगों को एक बड़ा सबक दिया है।

आग की लपटों ने किया भयभीत

आज सुबह हुई इस घटना के रौद्र रूप ने दुकानदारों के अलावा आम लोगों को भयभीत किया। आग के विस्तार और लपटों ने लोगों को ऐसा एहसास कराया मानो बहुत बड़ा हिस्सा आगजनी के प्रभाव में आ गया है। दरअसल दुकानों के सामने लगे फ्लैक्स और डिस्प्ले जलने से जो नजारा पेश आया उससे ऐसा लगा मानों आग अंदर-बाहर दोनों तरफ लगी हुई है। लेकिन वास्तविकता ऐसी नहीं थी।

चेम्बर अध्यक्ष योगेश जैन पहुंचे मौके पर

जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन सहित अन्य पदाधिकारी घटना की जानकारी मिलने पर यहां पहुंचे। उन्होंने मौके का जायजा लिया और कारोबारियों के साथ मिलकर जरूरी जतन किया। सीएसईबी के अधिकारियों की उपस्थिति में यह जानने की कोशिश की गई कि आखिर यह सब हुआ कैसे होगा। एसएस प्लाजा की इस घटना ने तीन वर्ष पहले कोरबा के कामर्शियल काम्प्लेक्स में हुई आगजनी की घटना को ताजा किया।

सांसद ने प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया

कोरबा। स्थानीय सांसद ज्योत्सना महंत ने आज पीएच रोड स्थित एसएस प्लाजा के उस प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया जहां आगजनी में काफी नुकसान हुआ। यहां एक दुकान का पूरा सामान स्वाहा हो गया जबकि कुछ दुकानें आंशिक रूप से जली है। सांसद ने परिसर के सामने ट्रांसफार्मर की स्थिति और उसकी कमियों की तरफ इशारा किया। उनका कहना था कि इसे कवर्ड करने की जिम्मेदारी तय होना चाहिए। छोटी-छोटी खामियां होने पर भी कई बार हादसे हो जाते हैं और फिर लोगों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

दीपका के श्रद्धालु रवाना हुए अयोध्या के लिए

कोरबा। कोयांचल दीपका के 51 श्रद्धालुओं का समूह अयोध्याधाम के लिए पिछली रात 11 बजे राधाकृष्ण मंदिर से रवाना हुआ। पूजा अर्चना के साथ उन्हें विदाई दी गई। इसमें विभिन्न समाज के 11 प्रतिनिधि शामिल हैं। संतोष गुप्ता ने बताया कि शिवरीनारायण से सबरी के बेर के कई टोकरे अयोध्या पहुंचाए जा रहे हैं जिन्हें वहां प्रसाद के रूप में अर्पित किया जाएगा। 1 जनवरी को सुबह समूह की वापसी दीपका होगी और स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर में रात्रि 11 बजे तक भंडारा का आयोजन होगा।

झोरा में जश्न के नाम पर अति की तो सख्त कार्रवाई करेगी पुलिस

टीआई तिवारी बोले- रहना होगा कायदे में

कोरबा। न्यू ईयर के नाम पर जश्न मनाने को लेकर अभी से कई जगह तैयारी हो रही है। इन सबके बीच कटघोरा पुलिस ने खासतौर पर झोराघाट के मामले में ऐलान किया है कि न्यू ईयर पर लोग मनोरंजन करें जरूर लेकिन नियम के दायरे में। किसी भी तरह से अति करने पर पुलिस सख्ती करेगी।

छुरी के पास हसदेव नदी का झोराघाट कई मौकों पर विवादों में आ चुका है। शराबखोरी के साथ मनमानी हरकतों ने इसे न केवल चर्चा में लाया है बल्कि आसपास के लोगों को नाराज किया है। पुलिस ने अनेक मौकों पर शराबखोरों और बाइक पर स्टंटबाजी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। न्यू ईयर से ठीक पहले पुलिस ने झोराघाट पर ध्यान केंद्रित किया और यहां चक्कर लगाने के साथ स्थिति देखी। कटघोरा तिवारी धर्मनारायण तिवारी ने उन लोगों को साफ चेतावनी दी है जो जश्न के नाम पर नियम तोड़ने और दूसरों को परेशान करने में आमादा रहते हैं। पुलिस ने कहा है कि झोराघाट पिकनिक स्पॉट में संभ्रांत लोगों की पहुंच अक्सर होते रहती है। ऐसे में लाजिमी हैं कि अंग्रेजी नववर्ष पर भी ऐसे लोग पहुंचेंगे। इस स्थिति में किसी भी तरह से यहां पर जुटने वाली भीड़ खासतौर से युवाओं से ऐसी हरकत बिल्कुल न हो जिससे किसी को परेशानी हो। शराबखोरी के साथ अप्रत्याशित हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मौके पर ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोरबा पुलिस ने जिले में होने वाले विभिन्न आयोजनों के बारे में जानकारी जुटाई है और इस लिहाज से सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन्होंने गलत छाप छोड़ी है और लोगों को इसका खामियाजा उठाना पड़ा है। पुलिस ने एडवांस में गाइड लाइन जारी कर लोगों को कहा कि वह नियमों को जरूर फॉलो करें।

9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में दी आध्यात्मिक प्रस्तुति

कोरबा। शारदा विहार में आयोजित 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आज समापन हो गया। तीसरे और अंतिम दिन बालिकाओं ने आध्यात्मिक विषय पर नृत्य की प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत की ज्ञान-विज्ञान परंपरा और इसके पीछे के सिद्धांतों को नृत्य के माध्यम से रेखांकित किया। गायत्री परिवार शान्तिकुंज की प्रतिनिधि मीता ठक्कर ने युग निर्माण व अन्य सोपान के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर संगठन के द्वारा किए जा रहे प्रयासों और इसके परिणामों से जन सामान्य को अवगत कराया। दोपहर को पूर्णाहुति के बाद टोली विदाई हुई। गायत्री परिवार के इस महायज्ञ में पूरे क्षेत्र के लोगों का सहयोग रहा।

भाजपा की विधानसभा स्तरीय होगी संगोष्ठी

कोरबा। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती पर जन्म शताब्दी वर्ष मनाते हुए भाजपाइयों के द्वारा आज से विधानसभा स्तरीय संगोष्ठी आयोजित किया जा रहा है।

कोरबा विधानसभा के होने वाले संगोष्ठी में विधायक विजेंद्र शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, भाजपा जिला प्रभारी अनिल केशरवानी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा भाजपा के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीति स्वर्णकार, अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री सरजू अजय, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश लहरे सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, योगेश मिश्रा, मनीष मिश्रा, मनोज लहरे, डिलेंद्र यादव, राजा शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा तैयारी की जा रही है।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र का संगोष्ठी बरपाली में आयोजित किया गया है जिसमें चर्मकार बोर्ड के अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रामकुमार गभेल, प्रतिमा सोनवानी, कमलेश अनंत, अविनाश कंवर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा तैयारी की जा रही है।

कल कटघोरा विधानसभा क्षेत्र का संगोष्ठी दीपका स्थित स्नेह मिलन भवन में आयोजित किया गया है। जिसमें भाजपा जिला प्रभारी अनिल केशरवानी, विधायक प्रेमचंद पटेल, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष चुलेश्वर राठौर, एसआईआर सह प्रभारी हरिश धरवानी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिनेश राठौर, समजीत सिंह, रवि साहू सहित अन्य कार्यकर्ता तैयारी में लगे हुए हैं।

भूविस्थापितों और गेवरा प्रबंधन के मध्य हुई वार्ता

कोरबा। एसईसीएल गेवरा परियोजना के द्वारा अमगांव, बामहनपाठ सहित आसपास के गावों को अधिग्रहित किया गया है। इन क्षेत्रों में खदान विस्तार का काम किया जाना है लेकिन अभी तक भूविस्थापितों को नौकरी एवं मुआवजा प्राप्त नहीं हो सका है। क्षेत्र के भूविस्थापितों ने प्रबंधन को मांगपत्र सौंपा था। इस मांगपत्र पर चर्चा करने के लिए प्रबंधन ने वार्ता आयोजित की, जिसमें प्रभार तंवर, धुवनेश्वरी देवी, जमुना राठौर, निक्कू कुकरेजा, धनंजय दीवान, यशपाल कंवर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रबंधन ने कुछ मांगों को मान लिया है। अन्य मांगों पर बाद में चर्चा की जाएगी। जबकि भूविस्थापितों का कहना है कि अमगांव के लोगों को भी बसाहट दी जाए।

शिक्षित समाज ही कर सकता है विकास : फूलसिंह राठिया

कोरबा। अखिल भारतीय चंद्रवंशी कंवर राठिया उत्थान समिति हाटी का वार्षिक सम्मेलन गत दिवस संपन्न हुआ, जिसमें अतिथि के रूप में रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही विकास कर सकता है। अत: अपने-अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, धरमजयगढ़ विधायक लालजी सिंह राठिया, समाज के केंद्रीय अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद राठिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया।

छात्रों का किया जाएगा सहयोग

कोरबा। बाल्मिकी आश्रम में रहने वाले ग्रामीण छात्रों को सहयोग के लिए बीकेकेएमएस फिर सामने आया है। इसके द्वारा प्रत्येक वर्ष 4 छात्रों को गोद लिया जाता है और उन्हें सहायता राशि दी जाती है। आज भामसं के सत्येंद्र दुबे, हिरेंद्र चंद्रा, रंजय सिंह, रमेश गुरुद्वान, मदन सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता बाल्मिकी आश्रम पहुंचकर चार छात्रों को सहायता राशि प्रदान करेंगे और यहां पर रहने वाले सभी छात्रों के साथ भोज करेंगे। इस संगठन होने से अब छात्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है।

राम नाम श्रृंखला के साथ मातृशक्ति का हुआ संगम

कोरबा। वर्ष 2025 की विदाई से ठीक पहले कोरबा जिले में गजब का वातावरण देखने को मिला। हजारों की संख्या में मातृशक्ति सिर पर रामनाम लेखन पुस्तक के साथ चली तो लोग देखते रह गए। यह नजारा था ओपन थिएटर से दशहरा मैदान आरपी नगर तक। इस रास्ते पर सनातन के स्वर जमकर गूंजे।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कोरबा जिले ने तीन अरब, 33 करोड़ 33 लाख राम लेखन महायज्ञ को हाथ में लिया। पिछले महीने इस आयोजन की रूपरेखा बनी और फिर इसे कई चरण में क्रियान्वित किया गया। इस अभियान को सहयोग करने के लिए लोगों ने अपने स्तर पर भूमिका निभाई। पुस्तिका वितरण के बाद इनमें राम नाम लिखने के लिए भिन्न-भिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह दिखाया। अगली कड़ी में ये पुस्तिकाएं शहर और दूर-दराज से एकत्र हुई और कोरबा पहुंची। घंटाघर चौक से दशहरा मैदान आरपी नगर तक मातृशक्ति द्वारा निकाली गई विशाल एवं भव्य कौशल्या यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। सुभाष चौक पर भाजपा ने स्वागत कार्यक्रम रखा। कैबिनेट मंत्री लिए प्रबंधन ने वार्ता आयोजित की, जिसमें प्रभार तंवर, धुवनेश्वरी देवी, जमुना राठौर, निक्कू कुकरेजा, धनंजय दीवान, यशपाल कंवर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रबंधन ने कुछ मांगों को मान लिया है। अन्य मांगों पर बाद में चर्चा की जाएगी। जबकि भूविस्थापितों का कहना है कि अमगांव के लोगों को भी बसाहट दी जाए।

ग्रामीण क्षेत्र की दमदार उपस्थिति

राम नाम लेखन महायज्ञ से संबंधित कार्यक्रम में शहर से कहीं ज्यादा महिलाओं की उपस्थिति ग्रामीण क्षेत्रों से रही। जटगा, पसान, पोड़ी-उपरोड़ा, बुंदेली, नकिया, अरसेना, तुमान, गढ़-उपरोड़ा, सतरेंगा, देवपहरी, पाली सहित अनेक दूरस्थ गांवों से महिलाएं बच्चों सहित यहां पहुंची थी। अभियान को लेकर काफी उत्साह था। उनका कहना था कि जिन्होंने पुस्तकों में राम का नाम अंकित करने में श्रम किया है, कम से कम हम भी इन पुस्तकों को सिर पर धारण कर सुख की अनुभूति करें।

लखनलाल देवांगन, मेयर संजूदेवी राजपूत, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी सहित अन्य नेताओं ने पुष्पवर्षा की। मुख्य कार्यक्रम दशहरा मैदान में माधवी लता मुख्य अतिथि थी। हिंदू सम्मेलन 2025 में दुर्गा शक्ति सभा से पहले एक मंच पर वैदिक मंत्रोच्चार और हवन पूजन के साथ रामनाम लेखन पुस्तिका की पूजा-अर्चना हुई। यहां पर भी लोगों ने श्रीराम का उद्घोष किया। कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल, योगेश जैन, नवीन अरोरा, दीप नारायण सोनी, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष अजय पाण्डेय, पार्षद नरेंद्र देवांगन, हीतानंद अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, दिनेश वैष्णव, अंजना सिंह, मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर उपस्थित रहे।

पिकनिक स्पॉट में छूटे बच्चे को परिवार से मिलाया पुलिस ने

कोरबा। रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते का पांच वर्ष का बच्चा आखिरकार परिवार को मिल गया, जो जिले के पिकनिक स्पॉट बुका में छूट गया था। बांगो पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्यवाही की।

बताया गया कि भिलाई से रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते करीब 1 बजे अपने परिवार के साथ बुका पिकनिक स्थल पहुंचे थे। पिकनिक स्थल का निरीक्षण कर रहे पुलिसकर्मियों को जय प्रकाश यादव एवं गजेंद्र कैंटीन के पास एक 5 साल का बच्चा अकेले खेलते हुए दिखाई दिया। संदेह होने पर सिपाही ने बच्चे से पूछताछ की, जिस पर बच्चा रोने लगा। मालूम चला कि जल्दबाजी में परिजन यहां से चले गए हैं और बच्चा छूट गया है। बालक ने अपना नाम तथ पोर्ते बताया जो एंजल पब्लिक स्कूल, गांव गोड़पार, चरोदा (भिलाई) का छात्र है। उसने पिता के बारे में जानकारी दी। बांगो थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा के निर्देश पर एसआई राठौर के नेतृत्व में बांगो पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। स्कूल का नाम सर्च कर प्रिंसिपल से संपर्क किया गया, लेकिन परिजनों का नंबर नहीं मिल सका। इसके बाद चरोदा थाना

प्रभारी और दुर्ग कंट्रोल रूम से संपर्क किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद एक सिपाही ने बच्चे के पिता का मोबाइल नंबर जुटाया। इसके बाद जब पिता से संपर्क करने पर मालूम चला कि यह सब गलतफहमी के चक्कर में हुआ। पुलिस ने उन्हें बताया कि बच्चा उनके पास सुरक्षित है। इसके बाद परिजन बांगो आए और बच्चे को अपनी सुपुर्दगी में लिया। पुलिस ने कहा कि विभिन्न स्पॉट में जाने वाले लोगों को खुशियां साझा करने के साथ बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि हड़बड़ी में गड़बड़ी न हो जाए।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com